जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

सूर्योपासना और लोक आस्था के महापर्व छठ की हार्दिक शुभकामनाएं

वर्ष : 26 | अंक : 316 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 07 नवंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

पराली जलाने पर जुर्माना डबल

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद केन्द्र का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद केंद्र ने पराली जलाने पर जुर्माने को दोगुना कर दिया है। नए लिए गए सख्त फैसले के मुताबिक, दो एकड़ से कम जमीन वाले किसानों को 5,000 रुपये, 2 से 5 एकड़ जमीन वाले किसानों को 10,000 रुपये और पांच एकड़ से अधिक जमीन वाले किसानों को पराली जलाने पर 30,000 रुपये जुर्माना देना होगा। बता दें कि बीते महीने के आखिरी में सुप्रीम कोर्ट ने भी पराली जलाने से प्रभावित राज्य सरकारों को कम जुर्माने के लिए फटकारा था, इसके बाद केंद्र ने जुर्माने की राशि बढ़ाई है।

केंद्र सरकार ने पराली जलाने पर सख्त रुख अपनाते हुए जुर्माने की राशि में दोगुना वृद्धि की है। नए नियमों के अनुसार, अब दो एकड़ से कम जमीन वाले किसानों को पराली जलाने पर 5,000 रुपये का जुर्माना भरना होगा। वहीं, 2 से 5 एकड़ वाले किसानों को 10,000 रुपये और पांच एकड़ से ज्यादा जमीन वाले किसानों पर 30,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

ये नियम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग अधिनियम, 2021 (Commission for Air Quality Management in National Capital Region and Adjoining Areas Act, 2021 (29 शद्ब 2021) के तहत संशोधित किए गए हैं. अधिनियम की धारा 25 की उप-धारा (2) के खंड (द्ध) का हवाला देते हुए, केंद्र सरकार ने इन नियमों को संशोधित करते हुए 'राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (पराली जलाने के लिए पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति का अधिरोपण, संग्रहण और उपयोग) संशोधन नियम, 2024' के रूप में पारित किया है।

इन दिनों दिल्ली के पड़ोसी राज्य हरियाणा व पंजाब के अलावा उप्र के कुछ इलाकों में भी पराली जलाई जा रही है जिससे दिल्ली-एनसीआर के शहरों में जानलेवा प्रदूषण बढ़ रहा है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में मारपीट-धक्कामुक्की

धारा-370 बहाली को लेकर बवाल

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा का शीतकालीन सत्र में चौथे दिन की कार्यवाही भी हंगामे के साथ शुरू हुई और 20 मिनट के लिए सदन को स्थगित किया गया। विधायकों के बीच धक्का-मुक्की व मारपीट भी हुई। जिसमें बीजेपी के 2 विधायक घायल हो गए। बारामूला से लोकसभा के सांसद इंजीनियर राशिद के भाई और लेंगेट से विधायक खुर्शीद अहमद अनुच्छेद-370 की बहाली का एक पोस्टर लेकर जैसे ही बेल में दाखिल होने की कोशिश की। तभी भाजपा के विधायक अपनी सीटों से उठकर आगे आए और उनके साथ मक्का मुखी हो गई और स्पीकर ने सदन को स्थगित कर दिया।

इसके बाद दोबारा सदन की कार्यवाही शुरू हुई, स्पीकर ने सुनील शर्मा के लिए कहा कि टेक योर सीट्स मैं आपकी बात सुन रहा हूं। उन्होंने श्याम लाल शर्मा से कहा कि इसे समझाइए शायद इसने यहां के नियम नहीं पड़े हैं। उन्होंने सुनील शर्मा को कहा आप कानून से ऊपर नहीं है मुझे बोलने दीजिए आप तशरीफ रखिए। तो फिर सुनील शर्मा ने कहा जी स्पेशल स्टेटस की बात नेशनल कॉन्फ्रेंस करती है उसके नाम पर अपने लाखों लोगों को मरवाया है नेशनल कॉन्फ्रेंस के सभी सदस्य अपनी सीटों पर खड़े होंगे और हंगामा शुरू हो गया। शोरगुल में यह पता नहीं चल रहा था कि कौन किसे क्या कह रहा है सभी विधायक एक दूसरे की तरफ उंगलियां उठाकर और हाथ हिलाकर आरोप लगाते और आरोपी का जवाब दे रहे थे।

भाजपा के विधायकों ने खुर्शीद अहमद के हाथ में धारा-370 के पोस्टर को फाड़ने का प्रयास किया जिसके बाद पक्ष-विपक्ष के विधायकों में धक्का-मुक्की और मारपीट होने लगी। कुछ विधायकों को सदन से मॉर्शलों ने धक्का देकर बाहर निकाला जिसके बाद हंगामा और बढ़ गया।

अस्ताचल सूर्य को आज अर्घ्य देंगी छठव्रती

सुरभि श्रीवास्तव

नोएडा (चेतना मंच)। सूयोउपासना के छठ पर्व का आज तीसरा दिन है। नहाए-खाए और खरना के बाद इस महापर्व में आज संध्याकाल में डूबते सूरज को अर्घ्य दिया जाएगा। इस दिन पहले भगवान सूर्य और छठी मैय्या की विधिवत पूजा की जाती है। फिर शाम के समय अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। कहते हैं कि इस दिन सूर्य देव की उपासना से संतान प्राप्ति, संतान की रक्षा और सुख समृद्धि का वरदान मिलता है। नोएडा व ग्रेटर नोएडा में भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है।

छठ पर्व के तीसरे दिन की पूजा को संध्या अर्घ्य भी कहा जाता है। यह पूजा चैत्र या कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को की जाती है। इस दिन सुबह से अर्घ्य की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। पूजा के लिए लोग प्रसाद जैसे ठेकुआ, चावल के लड्डू बनाते हैं। छठ पूजा के लिए बांस की बनी एक टोकरी ली जाती है, जिसमें पूजा के प्रसाद, फल, फूल, आदि अच्छे से सजाए जाते हैं। एक सूप में नारियल, **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

पूनम सिन्हा (बैंक मैनेजर)
बैंक ऑफ बड़ौदा

सूर्य अर्घ्य देने का समय

छठ पूजा के तीसरे दिन यानी आज शाम को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा. हिंदू पंचांग के अनुसार, 7 नवंबर को सूर्योदय प्रातः 06:42 बजे होगा। जबकि सूर्यास्त शाम 05:48 बजे होगा। इस दिन नदी या तालाब में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने दी बधाई

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीडियो संदेश जारी कर छठ पर्व की शुभकामनाएं दी हैं और सभी के लिए सुख व खुशहाली की मंगलकामनाएं की हैं। उन्होंने कहा कि लोकआस्था, प्रकृति प्रेम और सूर्योपासना के महापर्व छठ पर हमरे तरफ से आप सब माता-बहनें और भोजपुरी समाज के लोगों को बहुत-बहुत मंगलकामनाएं। छठी मैया के आशीर्वाद से हमरे प्रदेश के सभी लोगों के जीवन में सुख और खुशहाली बनल रहे यही प्रार्थना बा। जय जय छठी मैया।

जहरीली बनी हवा छाई धुंध की परत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर की हवा इन दिनों जहरीली बनी हुई है। दिल्ली के कई हिस्सों में धुंध की मोटी परत छाई हुई है। वहीं नोएडा एक्सप्रेसवे के पास के सेक्टरों में भी सुबह के समय धुंध की मोटी परत देखी गई। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को आने वाले कई दिनों तक प्रदूषण से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। बीते कई दिनों से वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बेहद खराब श्रेणी में बरकरार है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के डेटा के अनुसार, आज सुबह आनंद विहार में एक्यूआई 426, मुंडका में एक्यूआई 417 बवाना में 411, बुराड़ी में 377, **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

भाजपा में सांगठनिक चुनाव का शंखनाद !

गौतमबुद्धनगर के चुनाव अधिकारी बने विजय शिवहरे व नोएडा के विनोद सोनकर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा व गौतमबुद्धनगर समेत समूचे उत्तर प्रदेश में सांगठनिक चुनाव का शंखनाद हो चुका है। 15 नवंबर से 30 नवंबर तक बूथ अध्यक्ष व बूथ कमेटियों का चयन कर लिया जाएगा। इसके बाद दिसंबर में सभी मंडल अध्यक्षों का चुनाव कर लिया जाएगा। इसके बाद दिंसबर माह के अंत तथा जनवरी माह के प्रथम सप्ताह में जिला अध्यक्ष व महानगर अध्यक्षों का चयन पूरा कर लिया जाएगा।

भाजपा के प्रदेश चुनाव प्रभारी डा. महेन्द्र नाथ पांडे ने सांगठनिक चुनावों के लिए प्रदेश के पश्चिमी

उप्र क्षेत्र समेत सभी क्षेत्रों के चुनाव अधिकारियों की सूची जारी कर दी है। इसी क्रम में क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसोदिया ने भी पश्चिमी क्षेत्र के चुनाव अधिकारियों की सूची पार्टी पदाधिकारियों को साझा की है। जिसमें गौतमबुद्धनगर में चुनाव अधिकारी की जिम्मेदारी पार्टी के प्रदेश मंत्री व एमएलसी विजय शिवहरे को दी गई है। वहीं नोएडा महानगर में चुनाव प्रभारी की कमान पूर्व सांसद व स्थायी आमंत्रित सदस्य विनोद कुमार सोनकर को दी है। इसी तरह गाजियाबाद जिले की चुनाव प्रभारी विधायक अनुपमा जायसवाल तथा गाजियाबाद महानगर की कमान विधायक व पूर्व मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह को सौंपी गयी है।

नवाब सिंह नागर, श्रीचंद शर्मा को भी मिली चुनाव अधिकारी की कमान

सांगठनिक चुनाव के अधिकारियों की सूची में गौतमबुद्धनगर के पूर्व मंत्री व दोबार विधायक रहे नवाब सिंह नागर तथा एमएलसी श्रीचंद शर्मा को भी बड़ी जिम्मेदारी मिली है। नवाब सिंह नागर को मथुरा जिला का चुनाव अधिकारी बनाया गया है। श्रीचंद शर्मा को मैनपुरी जिले का चुनाव अधिकारी बनाया गया है। पश्चिमी उप्र के पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष व एमएलसी मोहित बेनीवाल को आगरा का चुनाव अधिकारी तथा भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष प्रांशुदत्त द्विवेदी को फिरोजाबाद का चुनाव अधिकारी बनाया गया है।

जीआईपी मॉल की चौथी मंजिल से कूदकर महिला ने दी जान

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-38ए में स्थित जीआईपी मॉल से दिल्ली की रहने वाली एक महिला ने मॉल की चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। महिला मानसिक तनाव के दौर से गुजर रही थी और उसका कोर्ट में तलाक का केस चल रहा था।

थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-38ए में स्थित जीआईपी मॉल में घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची

और जांच में पाया गया कि आकांक्षा सूद (36 वर्षीय) ने जीआईपी मॉल के फायर एग्जिट गेट की सीढ़ियों से छलांग लगाकर आत्महत्या की। मृतका के भाई-भाभी ने पुलिस को बताया कि आकांक्षा करावलनगर, दिल्ली की रहने वाली थी और उनका नोएडा से कोई संबंध नहीं था।

परिजनों ने बताया कि आकांक्षा की शादी के मात्र 15 दिन बाद ही पति से विवाद हो गया था, जिसके चलते वर्तमान में तलाक का मामला अदालत में विचाराधीन था। इस वैवाहिक विवाद के कारण वह गंभीर मानसिक तनाव से गुजर रही थी, जिसके चलते उन्होंने यह कदम उठाया है।

एलएलबी के छात्र को लगा गंदा शौक, बन गया लुटेरा

गाजियाबाद (चेतना मंच)। थाना लिंक रोड पुलिस टीम ने लूट व स्नैचिंग की घटना करने वाला 1 शातिर बदमाश को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 तमंचा, 2 खोखा कारतूस व 1 जिन्दा कारतूस तथा स्नैचिंग किये गये सामान को बेचकर प्राप्त 17,400/- रु0 व घटनाओं में प्रयुक्त एक स्कूटी बरामद की है।

थाना लिंकरोड पुलिस टीम द्वारा लूट व स्नैचिंग की घटनाओं की रोकथाम के लिए चलाये जा रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान एक स्कूटी सवार व्यक्ति को रोकने का इशारा किया गया तो वह पुलिस पार्टी को देखकर वापस भागने लगा और रामपुरी रेलवे लाइन के किनारे स्कूटी फिसल कर गिर गई।

जिसके बाद अभियुक्त द्वारा पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायर किया गया। पुलिस पार्टी द्वारा की गई फायरिंग में भाग रहे अभियुक्त को बाएं पैर में गोली लगी है। अभियुक्त को घायल अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

आज से नि:शुल्क राशन का वितरण शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। माह नवम्बर, 2024 के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत आवंटित आवश्यक वस्तुओं यथा गेहूं, चावल आदि का वितरण 7 नवंबर से 25 नवंबर 2024 के मध्य संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि उक्त अवधि में आवश्यक वस्तुओं का वितरण प्रातः 06.00 बजे से रात्रि 09.00 बजे तक ई-पॉस मशीन के माध्यम से आधार प्रमाणीकरण के उपरांत किया जाएगा, जिसमें अंत्योदय कार्डधारकों को 17 किग्रा0 गेहूँ एवं 18 किग्रा0 चावल एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को कार्ड में सम्मिलित प्रति यूनिट 02.50 किग्रा0 गेहूं व 02.50 किग्रा0 चावल विक्रेता द्वारा निशुल्क वितरण किया जाएगा। यह जानकारी जिलापूर्ति अधिकारी ने दी है।

उन्होंने बताया कि जनपद गौतमबुद्धनगर के अतिरिक्त **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

लियाकत चौधरी को मिली झारखंड में चुनाव पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पश्चिमी उप्र के अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष लियाकत चौधरी को झारखंड में हो रहे विधानसभा चुनाव में सिमदेगा जिले का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन तथा सांसद इमरान प्रतापगढी ने की है। सेक्टर-15 नया बांस निवासी लियाकत चौधरी वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हैं। इसलिए हाईकमान ने उन्हें महती जिम्मेदारी सौंपी है।

गेल पाइप लाइन क्षेत्र में निर्माण व खुदाई की तो खैर नहीं : डीएम

नोएडा (चेतना मंच)। जिला अधिकारी गौतमबुद्धनर मनीष कुमार वर्मा द्वारा बताया गया कि गेल(इंडिया) लिमिटेड, भारत सरकार का एक उपक्रम व एक महारत्न कंपनी है, जो पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अंतर्गत आती है। गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा भूमिगत बिछाई गयी गैस पाइपलाइन में उच्च दवाब की अत्यंत ज्वलनशील प्राकृतिक गैस प्रवाह करती है।

उन्होंने बताया कि पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 के प्रावधान के अन्तर्गत अधिग्रहित भूमि पर भवन निर्माण, बाउण्ड्री वॉल बनाना, बोर वेल करना, मिट्टी की खुदाई करना, तालाब बनाना, वृक्षारोपण या अन्य कोई संरचना का निर्माण कार्य करना प्रतिबंधित है।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सम्बन्धित ग्रामों में गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा अधिग्रहित भूमि पर भवन निर्माण, बाउन्ड्री वॉल, बोर वेल, मिटटी की खुदाई, तालाब बनाने या अन्य कोई सरंचना का निर्माण कार्य न होने दिया जाये।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com

RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com

Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!

We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.

FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available

FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

पर्यटन को खतरा

कुल्लू घाटी के जगतसुख में तकरार की दीवार खूंखार हो गई और पार्किंग के मसले पर एक की जान चली गई। पर्यटन के पहिए अशांत होते दिखाई दे रहे हैं। ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हिमाचल की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं। अभी ज्यादा समय नहीं हुआ जब डलहौजी व भागसूनाग की घटनाओं ने पर्यटन को बदनाम किया और इस बार जगतसुख में पार्किंग के झगड़े ने मौत का मंजर लिख दिया। जाहिर है हम पर्यटकों को बाजार में गिनते हुए यह भूल रहे हैं कि हर पर्यटक को लाने वाले पहिए को सुरक्षा की गारंटी देनी पड़ेगी। पाठकों को याद होगा कि हम समय-समय पर पांच करोड़ पर्यटकों के आंकड़े को छूने की वकालत को वाहनों की बढ़ती तादाद के साथ खतरनाक मोड़ पर देखते रहे हैं। पर्यटन, परिवहन और वाहनों की बढ़ती संख्या को सुरक्षित मानदंडों से जोडऩा होगा। हर तीन पर्यटकों के साथ अगर औसतन एक वाहन जुड़ रहा है, तो इसकी अपनी चुनौतियां हैं। अटल टनल गवाह है कि सुरंग पर्यटन ने बढ़ते वाहनों से सारे ट्रैफिक को कई-कई घंटे जाम या कछुआ चाल में फंसा दिया है। प्रदेश में पर्यटक वाहनों के अलावा स्थानीय लोगों द्वारा बढ़ते निजी वाहनों की तादाद का दबाव सडक़ पर बढ़ रहा है। भाई दूज के दिन हमारी परिवहन व्यवस्था के कई मकबरे उभर आए और सडक़ यात्रा की चक्की में समय, संसाधन और सुकून की बर्बादी के अलावा प्रदूषण में भी इजाफा हो गया। इसके साथ सडक़ों पर आवारगी व अनुशासनहीनता भी बढ़ रही है। ट्रैफिक जाम की वजह कुछ वाहन चालकों के कारण भी चुनौतीपूर्ण बन रही है। यह व्यवस्था की आपाधापी भी मानी जा सकती है। अंततः सडक़ पर वाहन चालन का शिष्टाचार सिखाएगा कौन। हमीरपुर शहर में पुलिस ने खुद से वादा और समाज ने साथ दिया, तो वहां एक सुखद संस्कृति पैदा हो रही है, लेकिन बाकी शहरों में वाहन चालकों का तांडव सडक़ों पर खेला जा रहा है। यह दीगर है कि विभिन्न फोरलेन परियोजनाओं से वाहनों की गति बढ़ रही है, लेकिन मुख्य पर्यटक व प्रशासनिक शहरों के मार्ग सुस्त रफ्तार के गवाह बन गए हैं। फोरलेन से सीधे प्रमुख शहरों को टू-लेन से जोडऩे की जरूरत के अलावा प्रदेश में पर्यटक पार्किंग की सहूलियतें बढ़ानी होंगी। बाहरी राज्यों से आने वाले ड्राइवरों के लिए हिमाचल की परिस्थितियां भिन्न व जोखिमपूर्ण हैं। ऊपर से डेस्टिनेशन पार्किंग के लिए कोई प्रयास ही नहीं हुए, नतीजतन सडक़ों पर वाहनों का डेरा बढ़ रहा है। भविष्य में ट्रांसपोर्ट नगर, शहरों में महापार्किंग, पर्यटक वाहन पार्किंग व वोल्वो बसों की पार्किंग की दिशा में नीतिगत फैसले लेने होंगे, वरना पर्यटक हलचल में पार्किंग एक अपराध हो जाएगा। यही अपराध कुल्लू घाटी को अभिशप्त करने के उदाहरण सामने ले आता है। ऐसे में हिमाचल को अपनी सडक़ों की स्थिति और सडक़ों पर अपनी छवि सुधारनी पड़ेगी। यातायात प्रबंधन की दृष्टि से पुलिस पैट्रोलिंग व सडक़ पर वाहन चालन का शिष्टाचार सिखाना पड़ेगा। माल ढुलाई व यात्री आवागमन के लिए परिवहन के नए विकल्प, इंटरसिटी परिवहन व्यवस्था तथा पर्यटन के अनुरूप यातायात के कुशल संचालन के प्रति दृढ़प्रतिज्ञ होना पड़ेगा।

महाराष्ट्र भी कहीं चल न पड़े हरियाणा की राह

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों में महाविकास अघाड़ी के हाथों मिली महायुति को शिकस्त के चलते यह उम्मीद लगाना बेमानी नहीं है कि कुछ ऐसे ही नतीजे विधानसभा चुनावों में भी आ सकते हैं। चूंकि लोकसभा चुनाव बीते ज्यादा वक्त नहीं बीता है, लिहाजा माना जा रहा है कि राज्य के मतदाताओं के मिजाज में बहुत बदलाव नहीं आया है। हाल ही में हुए हरियाणा विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को लेकर कुछ ऐसी ही उम्मीद जताई जा रही थी। लेकिन नतीजे उम्मीदों के ठीक उलट रहे। हरियाणा का नतीजा गवाह है कि अतीत की बुनियाद पर लड़े जाने के बाद अगले चुनाव के नतीजे उम्मीदों के मुताबिक नहीं हो सकते। इसकी वजह नाकाम रहने वाली राजनीति की अपनी गलतियां भी हो सकती हैं और सफल होने वाली राजनीति की रणनीति भी।

महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के प्रमुख दल जिस तरह आपसी खींचतान में मसरूफ हैं, उसकी वजह से अघाड़ी खेमे में आशंका जताई जाने लगी है कि महाराष्ट्र भी कहीं हरियाणा न बन जाए ! इस सोच की वजह बन रही है महाविकास अघाड़ी की अंदरूनी खींचतान। कांग्रेस और एनसीपी के सहयोग से मुख्यमंत्री रह चुके उद्धव ठाकरे खुद को स्वाभाविक रूप से अघाड़ी का अगुआ मान रहे हैं। लेकिन अंदरखाने में अपने दल को आगे रखने की हर गोटी फिट कर रहे स्थानीय कांग्रेस नेतृत्व की कोशिश खुद को आगे रखने की है। गठबंधन में अपने दल को आगे रखना गलत नहीं है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि ऐसा किस कीमत पर हो रहा है ?

हकीकत तो यह है कि कांग्रेस कुछ वैसा ही कदम उठाने की सोच रही है, जैसा उसने 2005 के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद उठाया था। तब एनसीपी और कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा था और नतीजों में ज्यादा सीटें एनसीपी ने जीती थीं। लेकिन कांग्रेस ने मुख्यमंत्री पद पर ना सिर्फ दावा ठोक दिया था, बल्कि विलासराव देशमुख को मुख्यमंत्री भी बनवा लिया था। जबकि ज्यादा सीटें हासिल करने के बावजूद एनसीपी सहयोगी की भूमिका में रह गई थी। अव्वल तो कांग्रेस इस बार ऐसी चालें चल रही हैं, ताकि उसके सबसे ज्यादा विधायक चुनाव जीतें। अगर ऐसा होगा तो उसके लिए मुख्यमंत्री पद पर दावा ठोकना और उसे हासिल करना आसान होगा। लेकिन ऐसा नहीं भी हुआ तो वह 2004 को दोहराना चाहेगी। इस पूरी प्रक्रिया में कांग्रेस के स्थानीय नेतृत्व की कोशिश उद्धव ठाकरे को दौड़ में पीछे छोड़ना है। कांग्रेस अपने चुनाव अभियान में शरद पवार की अगुआई वाली एनसीपी का खयाल तो रख रही है, लेकिन शिवसेना-उद्धव के साथ वैसा तालमेल नहीं दिखा पा रहा है।

महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के प्रमुख दल जिस तरह आपसी खींचतान में मसरूफ हैं, उसकी वजह से अघाड़ी खेमे में आशंका जताई जाने लगी है कि महाराष्ट्र भी कहीं हरियाणा न बन जाए ! इस सोच की वजह बन रही है महाविकास अघाड़ी की अंदरूनी खींचतान।

शरद पवार कांग्रेस से निकले हुए ही नेता हैं। उनकी वैचारिक धारा कांग्रेसी सोच के ही इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों दलों की राजनीतिक सोच ही नहीं, जमीन भी एक ही है। जबकि शिवसेना-उद्धव की राजनीतिक जमीन ही नहीं, सोच भी अलग है। उद्धव के वोटरों और कांग्रेस के वोटरों का मिजाज और जमीन भी अलग-अलग है। पिछले लोकसभा चुनाव में अगर राज्य की 48 सीटों में से 13 पर कांग्रेस काबिज होने में कामयाब रही तो इसकी बड़ी वजह एनसीपी के वोटरों का सहयोग नहीं, बल्कि शिवसेना-उद्धव के वोटरों का साथ रहा। कांग्रेस के एक केंद्रीय नेता आपसी बातचीत में इस तथ्य को खुलकर स्वीकार भी करते हैं। वैसे भी समान वैचारिक राजनीतिक बुनियाद के चलते एनसीपी के प्रभाव वाले इलाकों में कांग्रेस और इसी तरह कांग्रेस के प्रभाव वाले इलाकों में एनसीपी ने अपने उम्मीदवार नहीं उतारे। हकीकत यही है कि कांग्रेस और उद्धव या फिर एनसीपी और उद्धव के वोटरों के मिलन ने महाराष्ट्र की राजनीति में नई इबारत लिखी। लेकिन कांग्रेस का स्थानीय नेतृत्व इसे समझ नहीं रहा, बल्कि शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के धड़े को ज्यादा तवज्जो दे रहा है।

इस बीच शरद पवार ने इस चुनाव के बाद राजनीति से संन्यास के संकेत दे दिए हैं। वैसे माना जा रहा है कि यह उनका जज्बाती दांव भी हो सकता है। माना जा रहा है कि संन्यास के संकेत के जरिए शरद मतदाताओं को संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि उनके आखिरी चुनाव में उन्हें मौका दें। इसके जरिए वे एक तरफ वोटरों की हमदर्दी हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं तो दूसरी तरफ वे अजित पवार के खेमे को शिकस्त देने की कोशिश कर रहे हैं। एक बारगी मान भी लें कि पवार इस चुनाव के बाद राजनीति से संन्यास ले ही लेंगे तो यह सवाल लाजमी है कि उनके बाद एनसीपी का क्या होगा। पवार चाहेंगे कि उनके बाद उनकी बेटी सुप्रिया सुले ही पार्टी की कमान संभालें। लेकिन ऐसा होना आसान नहीं लगता। शरद के बाद पार्टी का बड़ा हिस्सा अजित पवार की ओर दौड़ लगा सकता है। जिसकी बात अजित से नहीं बनेगी, वह मजबूरीवश कांग्रेस की ओर जा सकता है। शायद एक वजह यह भी है कि महाराष्ट्र कांग्रेस का स्थानीय नेतृत्व उद्धव की बजाय शरद पवार की एनसीपी के साथ खुद को ज्यादा सहज महसूस कर रहा है।

महाविकास अघाड़ी में इस वजह से अंदरूनी खींचतान बढ़ी हुई है। वोटरों का एक बड़ा इसे समझ भी रहा है। ऐसे में मतदान के दिन वोटरों का एक बड़ा अपना मन बदल ले और सत्ताधारी महायुति की ओर हाथ बढ़ा दे तो उसकी कीमत महाविकास अघाड़ी को ही चुकानी पड़ेगी। इस तथ्य को महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रभारी रमेश चेनिथला गहराई से महसूस कर रहे हैं। इसलिए वे महाराष्ट्र की कांग्रेसी राजनीति को लंबे समय तक संभाल चुके नेताओं का सहयोग हासिल करने के लिए कांग्रेस आलाकमान से गुहार लगा रहे हैं। ताकि हरियाणा जैसे नतीजों से बचा जा सके।

वैसे कांग्रेस को उद्धव ठाकरे के स्वभाव को भी नहीं भूलना चाहिए। 2019 के विधानसभा चुनावों में उद्धव ठाकरे ने बीजेपी के साथ चुनाव लड़ा था। तब शिवसेना की सीटें कम आई थीं। इसके बावजूद वे मुख्यमंत्री बनने पर अड़ गए। जिसकी वजह से गठबंधन टूटा और शरद पवार के प्रयासों से उद्धव को हाथ का साथ मिला और उद्धव मुख्यमंत्री बनने में कामयाब रहे। ऐसे में यह मान लेना कि अगर कांग्रेस की ज्यादा सीटें आई तो उसका ही मुख्यमंत्री बनेगा, गलत होगा। उद्धव खुद को ही मुख्यमंत्री के रूप में आगे करने से नहीं हिचकेंगे। जिस पद के लिए उद्धव को बीजेपी से दशकों पुराना गठबंधन तोड़ने में हिचक नहीं हुई, उसी पद के लिए भला वे कांग्रेस को कैसे वाकओवर दे देंगे। महाविकास अघाड़ी में एनसीपी-शरद ऐसा दल है, जिसे हर हाल में सत्ता चाहिए। एनसीपी को दो नंबर की पार्टी होने पर भी इसके लिए एतराज नहीं होगा। वैसे शरद के लिए फिलहाल पार्टी को बचाए रखना बड़ी चुनौती होगी।

महाराष्ट्र के लोकसभा चुनाव नतीजों के हिसाब से देखें तो महाविकास अघाड़ी को 288 सदस्यीय विधानसभा में 153 सीटों पर बढ़त हासिल हुई थी, जबकि महायुति को 126 सीटों पर बढ़त मिली। संख्या के लिहाज से यह अंतर ज्यादा लगता है। लेकिन विधानसभा चुनावों के चरित्र के लिहाज से देखें तो यह अंतर बड़ा नहीं है। आपसी राजनीतिक खींचतान और गठबंधन के अविश्वास इस अंतर को पाटने के सहयोगी औजार बन सकते हैं। फिर बीजेपी मराठा बनाम अन्य के लिहाज से जातीय समीकरण बनाने की कोशिश में जुटी हुई है। ऐसे में अगर वह हरियाणा की तरफ फिर से बाजी मार ले तो हैरत नहीं होगी। महाविकास गठबंधन की आपसी खींचतान, कांग्रेस की अंदरखाने में उद्धव पर वर्चस्व स्थापित करने की कोशिश बीजेपी को अपना लक्ष्य हासिल करने में मददगार हो सकती है। महाराष्ट्र की राजनीति समझने वाले जानकार इस खींचतान और इसके भावी नतीजों को भांप भी रहे हैं। यह कहना मुश्किल है कि कांग्रेस का नेतृत्व इस तथ्य को समझ रहा है या नहीं।

- उमेश चतुर्वेदी
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे भवानी! सारी सृष्टि तप के ही आधार पर है। ऐसा जी में जानकर तू जाकर तप कर। यह बात सुनकर माता को बड़ा अचरज हुआ और उसने हिमवान को बुलाकर वह स्वप्न सुनाया॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-मातु पितहि बहुबिधि समुझाई। चलीं उमा तप हित हरषाई॥
प्रिय परिवार पिता अरु माता। भए बिकल मुख आव न बाता॥

माता-पिता को बहुत तरह से समझाकर बड़े हर्ष के साथ पार्वतीजी तप करने के लिए चलीं। प्यारे कुटुम्बी, पिता और माता सब व्याकुल हो गए। किसी के मुँह से बात नहीं निकलती॥

दो0-बेदसिरा मुनि आइ तब सबहि कहा समुझाइ।
पारबती महिमा सुनत रहे प्रबोधहि पाइ॥

तब वेदशिरा मुनि ने आकर सबको समझाकर कहा। पार्वतीजी की महिमा सुनकर सबको समाधान हो गया॥

उर धरि उमा प्रानपति चरना। जाइ बिपिन लागीं तपु करना॥
अति सुकुमार न तनु तप जोगू। पति पद सुमिरि तजेउ सबु भोगू॥

प्राणपति (शिवजी) के चरणों को हृदय में धारण करके पार्वतीजी वन में जाकर तप करने लगीं। पार्वतीजी का अत्यन्त सुकुमार शरीर तप के योग्य नहीं था, तो भी पति के चरणों का स्मरण करके उन्होंने सब भोगों को तज दिया॥

(क्रमश:...)

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है पंजाब में नशे का जाल

पंजाब में आतंकवाद ही नहीं, तरह-तरह के नशे एवं ड्रग्स के धंधे ने व्यापक स्तर पर अपनी पहुंच बनाई है, जिसके दुष्परिणाम समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है।

पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब चुका रहा है, जिसने लंबे समय से पंजाब को जकड़ रखा है। पिछले दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 153 बड़े ऑपरेटरों सहित 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया है। पंजाब ने स्थानीय तस्करों के साथ-साथ बड़े ड्रग नेटवर्क को लक्षित करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। हाल ही में 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य नशीले पदार्थों के साथ-साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक ड्रग मनी जब्त की गई है। इन आपराधिक अभियानों की वित्तीय बुनियाद पर प्रहार करते हुए नशे के कारोबार से जुड़े लोगों की 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। हालांकि, अभी पर्दे के पीछे से काम करने वाले प्रमुख तस्करों को बेनकाब करने और कानूनन दंडित करने की सख्त जरूरत है। ड्रग की तस्करी और व्यापक रूप से नशे की लत पंजाब की सबसे उल्लेखनीय घातक सामाजिक-राजनीतिक चुनौती बन चुकी है जो कई प्रकार से पूरे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनती जा रही है।

पाकिस्तान पोषित इस नशीले कारोबार की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस साल सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब की पाकिस्तान से लगती सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए। जो वर्ष 2023 में बरामद 107 ड्रोन से कहीं अधिक हैं। पाक प्रायोजित यह तस्करी परिष्कृत एवं सुनियोजित तरीके से की जा रही है, जिसके खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। खासकर, ऐसे संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में इस समस्या की भयावहता को देखते हुए यह आवश्यक हो जाता है कि इसके खिलाफ एक ऐसी संपूर्ण लड़ाई छेड़ी जाए जिसमें कामयाब होने में अगर कई वर्ष भी लग जाएं तो उसे जारी रखा जाए। नशे की समस्या पिछले कई वर्षों के दौरान और बद से बदतर होती गई है और पिछले पंजाब में हुए विधानसभा चुनावों में यह एक बड़ा मुद्दा था। क्योंकि शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से हर रोज युवाओं की मौत की खबरें हो या विधवाओं का क्रंदन समूचा देश हिला है। कितनी मांओं की गोद उजड़ गई और कितने वृद्ध पिताओं की सहारे की लाठी टूट गई। नशीले पदार्थों का धंधा सीमाओं से होते हुए देश की रग-रग में पसरता गया है।

पंजाब में बिछा ड्रग्स का जाल जनजीवन के लिये बड़ी चुनौती है। पंजाब पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं ईरान के तथाकथित गोल्डेन क्रेसेंट से तस्करी कर लाई गई नशीली दवाओं का एक पारगमन बिंदु (ट्रांजिट प्वाईंट) तथा बाजार दोनों ही है। जहां अफगानिस्तान में उत्पादित हेरोईन की भारत-पाकिस्तान की 553 किमी लंबी और अवैध घुसपैठ की संभावनाओं से युक्त सीमा से तस्करी की जाती है, अफीम, अफीम की भूसी, चरस एवं हशीश जैसी अन्य नशीली दवाएं आसपास के देशों से आती हैं। भारत एवं पाकिस्तान सीमा पर अच्छी सड़कों का अभाव भी सीमा पर लगी बाड़ के नीचे सुरंगों की खुदाई के जरिये भारी मात्रा में मादक दवाओं की खेप के हस्तांतरण के काम को आसान बना देती हैं। पंजाब पुलिस की नशे से जुड़े आतंकवदी तंत्र की जांच करने की सीमित क्षमता है, खासकर, इस समस्या का मुकाबला करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकीय एवं वैज्ञानिक उपकरणों की उसके पास कमी है। पंजाब में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि पंजाब 'नशीले पदार्थों की राजनीति' के युग से गुजर रहा है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है।

पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए उसने पंजाब सरकार को फटकार भी समय-समय पर लगाई है। पूर्व में सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'पंजाब में नशे की समस्या बढ़ती जा रही है। नकली शराब और नशीले पदार्थों को रोका जाना चाहिए। ऐसे तो युवा खत्म हो जाएंगे। गरीब लोग मर रहे हैं। पंजाब में हर गली में एक भट्टी होती है। अगर कोई चाहे तो देश को खत्म कर देगा। अगर बॉर्डर क्षेत्र सुरक्षित नहीं है तो कैसे चलेगा? नशा माफिया के आगे बेबस क्यों पंजाब सरकार?' सुप्रीम कोर्ट की चिन्ता पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए वाजिब है। जिसके खिलाफ व्यापक पैमाने पर योजनाबद्ध अभियान वक्त की जरूरत है। सरकारें लंबे समय से इसके विरुद्ध कार्रवाई की बात तो करती रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में कम ही बदलाव नजर आया है। फिलहाल पंजाब में नशीले पदार्थों के खिलाफ जारी कार्रवाई आप सरकार की नई प्रतिबद्धता को दर्शाती है और सतही तौर पर नशे की खिलाफ सफलता के आंकड़े एक सराहनीय कार्रवाई को दर्शाते हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्या की विकटता को देखते हुए ये आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं। वक्त की जरूरत है कि लगातार भयावह होती स्थिति में पुलिस को इस खेल की बड़ी मछलियों को बेनकाब करके नशे के प्रवाह पर रोक लगानी चाहिए। इसके बाद बड़े नशा तस्करों के खिलाफ व्यापक स्तर का अभियान चलाना चाहिए। जिससे समाज में यह संदेश जाए कि कोई कितना भी ताकतवर व्यक्ति क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है। साथ ही यह भी कि समाज विरोधी कार्यों में लिप्त होने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ऐसे तत्वों को राजनीतिक संरक्षण देने वाली ताकतों को भी बेनकाब करने की जरूरत है।

पंजाब सरकार की सख्त कार्रवाई का यह संदेश नशा माफिया को जाना जरूरी है कि इस काले कारोबार से जुड़े लोगों की दंडमुक्ति संभव नहीं है। इसके अलावा सीमा पार से चलाए जा रहे नशे के कारोबार के लिये पडोसी देश को भी कड़ा संदेश जाना चाहिए। नशे की तस्करी में तमाम आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है। हालांकि, बीएसएफ ने पहल करते हुए एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाए हैं। जिसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए सीमा सुरक्षा को फुलप्रूफ करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिये। जिसमें उच्च तकनीक व विभिन्न एजेंसियों में बेहतर तालमेल की जरूरत है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्व में 'ड्रग्स-फ्री इंडिया' अभियान चलाने की बात कहकर इस राष्ट्र की सबसे घातक बुराई की ओर जागृति का शंखनाद किया है। उन्होंने चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे देश के युवा गुटका, चरस, गांजा, अफीम, स्मैक, शराब और भांग आदि के नशे में पड़ कर बर्बाद हो रहे हैं। इस कारण से वे आर्थिक, सामाजिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से विकलांगता की ओर अग्रसर हो रहे हैं। विशेषत: पंजाब के युवा नशे की अंधी गलियों में धंसते जा रहे हैं, वे अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर सहित अनेक जानलेवा बीमारियां लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। नशे के ग्लैमर की चकाचौंध ने चिन्ताजनक स्थितियां खड़ी कर दी है। पाकिस्तान नशे के आतंक से अपने मनसूंबों को पूरा कर रहा है। चिकित्सकीय आधार पर देखें तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन, तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है। ये ऐसे उत्तेजना लाने वाले पदार्थ हैं, जिनकी लत के प्रभाव में व्यक्ति अपराध तक कर बैठता है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है। कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है या अपराध की अंधी गलियों में धंसता चला जाता है, पाकिस्तान युवाओं को निस्तेज करके एक नये तरीके के आतंकवाद को अंजाम दे रहा है।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार।

राशिफल

कार्तिक शुक्ल : षष्ठी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
पैरों में चोट-चपेट लग सकता है। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम-संतान की स्थिति ठीक-ठाक कही जा सकती है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
बच्चों के सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू,मैं-मैं से बचें। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान की स्थिति मध्यम और व्यापार ठीक रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
गृह-कला के संकेत हैं। कोई भयंकर कलह न हो। घर के झगड़े बाहर न जाएं। इस बात का ध्यान रखें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
व्यापारिक स्थिति मध्यम है। नाक,कान और गला की परेशानी हो सकती है। प्रेम-संतान अच्छा रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
धन हानि के संकेत से निवेश करने से बचें। स्वास्थ्य मध्यम, मुख रोग के शिकार हो सकते हैं।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
बेचैनी,घबराहट बनी रहेगी। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम-संतान मध्यम और व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
अनाब-सनाब खर्चे होंगे। सिर दर्द और नेत्र पीड़ा संभव है। प्रेम-संतान मध्यम और व्यापार सही रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। भ्रामक समाचर की प्राप्ति होगी।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
कोर्ट-कचहरी से बचें। व्यापारिक स्थिति थोड़ी उतार-चढ़ाव वाली रहेगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। स्वास्थ्य ठीक-ठाक, प्रेम-संतान अच्छा और व्यापार अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
चोट-चपेट लग सकता है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वंय के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वास्थ्य और प्रेम-संतान सारी चीजें थोड़ी मध्यम दिख रही हैं।

महर्षि में दूसरे दिन जारी रहा मीडिया एकेडमिक फेस्ट का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी, नोएडा के मीडिया विभाग, द्वारा आयोजित महर्षि मीडिया एकेडमिक फेस्ट का भव्य समापन समारोह संपन्न हुआ। समापन समारोह में पत्रकारिता एवं जनसंचार जगत के प्रोफेसर डॉ. संजय सिंह बघेल और प्रिया सिंह ने शिरकत कर विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम में मीडिया के अन्य संस्थानों से आए विषय विशेषज्ञों विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लगभग 100 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। समारोह की शुरुआत गुरु पूजा से हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि आप सभी विद्यार्थियों को चार मुख्य बातें नॉलेज, सूचना तकनीक, ज्ञान और संचार कौशल जरूर याद रखनी चाहिए तभी आपका आगे मार्ग सरल होगा।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. अवकाश मिश्रा, डीन-महर्षि स्कूल ऑफ़ इंजीनियरिंग एन्ड टेक्नालॉजी और डॉ. शम्भू शरण गुप्ता, विभागाध्यक्ष, मीडिया विभाग द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर (डॉ.) संजय सिंह बघेल और गेस्ट ऑफ़ हॉनर प्रिय सिंह, वरिष्ठ न्यूज़ एंकर को स्मृति चिह्न, शॉल और तुलसी पौधा भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के गेस्ट ऑफ़ हॉनर प्रिया सिंह ने कहा कि न्यूज़ एंकरिंग के समय हमें अपने फैक्ट चेक और फाइव सेंसेस हमेशा सक्रीय रखने की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम में डॉ. विवेक कुमार और प्रसून नारायण, दोनों बाह्य विषय विशेषज्ञों ने भी फिल्म और थियेटर से जुड़े अपने विचार रखें।

इस अवसर मीडिया विभाग के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों और विद्यार्थियों का ध्यान अपनी और आकृष्ट किया। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। विभिन्न सात प्रतियोगिताओं जिसमें न्यूज़ राइटिंग, न्यूज़ प्रेजेंटेशन, पीस टू कैमरा, स्पॉट फोटोग्राफी, पोस्टर डिजाइनिंग, स्नैप स्टोरी और नुक्कड़ नाटक के विजेताओं और उपविजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर ऑडिटोरियम के साथ परिसर को मीडिया के कटआउट और रोलेक्स के द्वारा मीडिया विभाग के विद्यार्थियों ने सजाया गया था; जिसका अवलोकन कुलपति (डॉ.) बी.पी. सिंह, डीन एकेडमिक डॉ.तृप्ति अग्रवाल, डिप्टी डीन एकेडमिक स्मिता मिश्रा ने किया और इसके लिए विद्यार्थियों की खूब तारीफ भी किया।

इस अवसर पर मीडिया विभाग के विभगाध्यक्ष डॉ. शम्भू शरण गुप्ता ने सभी अतिथियों, बाह्य विशेषज्ञों और विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों और सहयोगियों का धन्यवाद और आभार ज्ञापन किया।

इस अवसर पर महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंफार्मेशन टेक्नॉलजी के प्रोफ़ेसर (डॉ.) के. बी. अस्थाना, डीन-महर्षि स्कूल ऑफ़ लॉ, डॉ. अवकाश मिश्रा, डीन-महर्षि स्कूल ऑफ़ इंजीनियरिंग एन्ड टेक्नालॉजी, प्रोफ़ेसर (डॉ.) श्वेता बजाज, डीन- महर्षि स्कूल ऑफ़ फार्मेसी, संदीप शर्मा, डिप्टी रजिस्ट्रार, रतीश गुप्ता, कार्पोरेट अफेयर उपस्थित थे।

रन फॉर यूनिटी में दौडे एमिटी विश्वविद्यालय के छात्र

नोएडा (चेतना मंच)। देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री एवं महान स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर उनको नमन करते हुए राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित रन फॉर यूनिटी में एमिटी विश्वविद्यालय के छात्रा, शिक्षकों और कर्मचारियों ने दौड़ लगाई। इस अवसर पर एमिटी विश्वविद्यालय के डीन (स्टूडेंट वेलफेयर) डा एच पी सिंह और स्टूडेंट वेलफेयर के निदेशक डा जय सैनी भी उपस्थित थे।

छात्रों में देश प्रेम और अंखडता की भावना को विकसित करने के उद्देश्य से रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया।

विधायक ने प्रधानमंत्री को भेजा पत्र

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने पर्यावरण संरक्षण हित में अपने कार्यालय को कागज रहित कार्यालय बनाए जाने की दिशा में एक कदम बढ़ाया है।

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि हम आज से पहले, जो संदेश अपने पत्र पर भेजते थे, अब हम ईमेल के माध्यम से डिजिटल फॉर्म में भेजेंगे, जिसमें कागज़ का कोई उपयोग नहीं होगा और आने वाले समय में हमारा पूरा प्रयास होगा कि सभी कार्य कागज रहित हो, जिससे हम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें।

जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखते हुए कहा कि विगत कई वर्षों से माह अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर, जनवरी और फरवरी में एनसीआर क्षेत्र के लोगों को खराब होती वायु गुणवत्ता के कारण सांस संबंधी अनेकों बीमारियों का सामना करना पड़ता है।

जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने यह भी लिखा कि पिछले एक माह में 30 प्रतिशत मरीजों का इजाफा हुआ है और अगर यही हालात रहे तो आने वाले दिनों में हर घर में बीमार होने वालों की तादाद निरंतर बढ़ती चली जाएगी। इसलिए शीघ्र उपाय किए जाने जरूरी है।

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह करते हुए कहा कि यद्यपि उत्तर प्रदेश सरकार ने वायु गुणवत्ता को लेकर अभी हुई कैबिनेट की बैठक में पॉलिसी बना दी है, लेकिन दिल्ली नजदीक होने के कारण उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों को वायु गुणवत्ता की खतरनाक स्थिति से दो चार होना पड़ता है।

संयुक्त किसान मोर्चा की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सीएस फार्म हाउस साकीपुर गांव में संयुक्त किसान मोर्चा के संगठनों की बैठक बुलाई गई बैठक में वर्किंग कमेटी का गठन हुआ 9 नवंबर को नोएडा में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आंदोलन की घोषणा की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता बाबा रंगीलाल भाटी ने की। बैठक में भारतीय किसान परिषद अखिल भारतीय किसान सभा जय जवान, जय किसान, मोर्चा किसान एकता संघ किसान यूनियन टिकैत, किसान यूनियन महात्मा टिकैत किसान यूनियन कृषक शक्ति सिस्टम सुधार संगठन किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा ने हिस्सा लिया किसान परिषद की ओर से सुखबीर खलीफा किसान सभा की ओर से डॉक्टर रुपेश वर्मा महात्मा टिकेट की तरफ से अनिल तालान किसान यूनियन टिकैत की ओर से पवन खटाना महात्मा टिकैत से अनिल तालान सिस्टम सुधार संगठन से अंशुमान सिंह किसान एकता संघ से प्रमोद शर्मा कृषक शक्ति से जितेंद्र भाटी एवं जय जवान जय किसान मोर्चा से सुनील फौजी ने अपनी एकता प्रकट करते हुए कहा कि 10 प्रतिशत प्लाट और नये भूमि कानून को लागू करने के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी। पूरे जिले के सभी बड़े संगठन एकजुट हो चुके हैं 10 परसेंट और नए कानून की लड़ाई जीत कर ही दम लिया जाएगा।

कैंसर से लड़ाई के लिए इलाज के साथ जागरूकता जरूरी : डा. अग्रवाल

नोएडा (चेतना मंच)। कैंसर से लड़ाई केवल इलाज से नहीं, बल्कि जागरूकता और समय पर निदान से भी जीती जा सकती है। इसलिए नेशनल कैंसर अवेयरनेस डे पर हमें कैंसर के बारे में जानकारी फैलाने और इसके लक्षणों को पहचानने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए।

फेलिक्स हॉस्पिटल की डॉ. चिन्मयी अग्रवाल ने बताया कि 7 नवंबर को मनाया जाने वाला नेशनल कैंसर अवेयरनेस डे कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह दिन आम जनता को शिक्षित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। भारत में कैंसर के मामले दिन-ब-दिन बढ़ रहे हैं, और इसे लेकर सही जानकारी का होना जरूरी है ताकि समय रहते इसके लक्षणों को पहचाना जा सके और उचित इलाज किया जा सके। कैंसर तब होता है जब शरीर की कोशिकाएं बिना नियंत्रण के बढ़ने लगती हैं। इसका मुख्य कारण डीएनए में उत्परिवर्तन होता है, जो कोशिकाओं के सामान्य कार्य में बाधा डालता है। इसके अलावा, कैंसर के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें प्रमुख हैं। तंबाकू और शराब का सेवन है। तंबाकू और शराब दोनों ही कई प्रकार के कैंसर, जैसे मुंह, गले, और यकृत कैंसर के कारण बन सकते हैं। अस्वस्थ आहार, शारीरिक गतिविधियों की कमी और मोटापा कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं। हवा,

पानी और मृदा में मौजूद प्रदूषक तत्व, जैसे कि रासायनिक पदार्थ और धुआं, कैंसर के उत्पत्ति में योगदान कर सकते हैं। यदि परिवार में किसी सदस्य को कैंसर हुआ है, तो इसके होने का खतरा अधिक होता है। कुछ वायरस, जैसे कि एचपीवी और हैपेटाइटिस बी और सी भी कैंसर के कारण बन सकते हैं। लंग कैंसर फेफड़ों में होता है और तंबाकू का सेवन इसका मुख्य कारण है। मधुमेह कैंसर शरीर के विभिन्न हिस्सों में उत्पन्न हो सकता है। स्तन कैंसर महिलाओं में पाया जाने वाला यह कैंसर ब्रेस्ट के ऊतकों में उत्पन्न होता है। कोलन कैंसर पाचन तंत्र के अंदर कोलन या रेक्टम में होता है। प्रोस्टेट कैंसर पुरुषों में पाया जाने वाला सबसे सामान्य कैंसर है, जो प्रोस्टेट ग्रंथि में उत्पन्न होता है। लीवर कैंसर लिवर में होता है और यह हैपेटाइटिस बी और सी के कारण हो सकता है।

डा. अग्रवाल ने बताया कि किडनी कैंसर गुर्दे में उत्पन्न होता है और यह वृद्धावस्था में ज्यादा देखा जाता है। कैंसर का निदान प्रारंभिक लक्षणों और जांचों के आधार पर किया जाता है। बायोप्सी परीक्षण कैंसर कोशिकाओं की पहचान करने के लिए किया जाता है। ब्लड टेस्टपरीक्षण से कुछ प्रकार के कैंसर की जानकारी मिल सकती है। इमेजिंग तकनीक जैसे सीटी स्कैन, एमआरआई, और पेट स्कैन कैंसर की स्थिति और आकार का पता लगाने में मदद करते हैं। कैंसर के इलाज में कई तरीके हो सकते हैं, और यह रोग के प्रकार, स्थिति और रोगी की उम्र पर निर्भर करता है। सर्जरी कैंसर के कोशिकाओं को शारीरिक रूप से हटाना। कीमोथेरेपी शरीर में कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए दवाओं का प्रयोग है। रेडिएशन थेरेपी उच्च ऊर्जा की किरणों का प्रयोग करके कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करना। इम्यूनोथेरेपी शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को कैंसर से लड़ने के लिए सक्रिय करना। टार्गेटेड थेरेपी इलाज कैंसर की विशिष्ट कोशिकाओं को लक्षित करता है और सामान्य कोशिकाओं को प्रभावित नहीं करता।

कैंसर के लक्षण

- अवसाद और वजन का अचानक गिरना।
- सांस लेने में कठिनाई या खांसी।
- लंबे समय तक शरीर पर चोट या घाव का न भरना।
- त्वचा पर बदलाव या नए टैग का उभरना।
- पेट में दर्द या रक्त स्त्राव
- यूरिन त्याग में असमर्थता या रक्त का आना।
- मुंह, गले, या मुंह में घाव होना।

कैंसर से बचाव

- ताजे फल और सब्जियां, और स्वस्थ वसा का सेवन करें।
- तंबाकू और शराब से कैंसर का खतरा बढ़ता है।
- नियमित शारीरिक गतिविधि और फिटनेस को बनाए रखें।
- अत्यधिक सूर्य की किरणों से बचने के लिए सनस्क्रीन का उपयोग करें और लंबी अवधि तक सूर्य में न रहें।
- समय-समय पर कैंसर की स्क्रीनिंग करवाएं, ताकि इसका पता जल्दी चल सके।
- एचपीवी और हेपेटाइटिस से बचने के लिए टीकाकरण करवाएं।

नैतिक मूल्यों के बिना नहीं मिलती सफलता : विनीता कुदेसिया

प्रयागराज (ब्यूरो)। सतर्कता विभाग इफ़को फूलपुर द्वारा सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम 2024 के अन्तर्गत केंद्रीय विद्यालय में आयोजित प्रतियोगताओं का पुरस्कार वितरण समारोह विद्यालय के मल्टी परपज हाल में आयोजित किया गया। ईमानदारी और नैतिकता को स्थापित करने और बच्चों को प्रेरित करने उद्देश्य से आयोजित की गई इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को इफ़को फूलपुर की प्रथम महिला श्रीमती विनीता कुदेसिया द्वारा पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती कुदेसिया ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में नैतिक मूल्यों के बिना कोई भी सफलता अधूरी होती है अत: बच्चों की पढ़ाई के साथ साथ नैतिकता को अपने जीवन और व्यवहार में ज़रूर उतारना चाहिए। इससे पूर्व कार्यक्रमों की कड़ी में कक्षा 6 से कक्षा 8 तक के बच्चों के लिए भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका विषय हमारे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी था।कक्षा 9 से10 तक के बच्चों लिए परिचर्चा कायोजन किया गया जिसका विषय राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका था, जबकि कक्षा 11से 12 तक के छात्रों के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसका विषय नये क़ानून बना कर भ्रष्टाचार को समाप्त किया जा सकता है था। इन सभी कार्यक्रमों के साथ आज बच्चों के लिए नैतिक मूल्यों पर एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में गोबिंद बल्लभ पंथ सामाजिक संस्थान की प्रोफ़ेसर डॉक्टर अर्चना सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित किया जिसे छात्र छात्राओं ने पूरी तन्मयता से सुना और धारण किया । संस्करशाला के बाद इसी विषय पर एक प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्रीमती रमा वैश्य संयुक्त महाप्रबंधक पी के वर्मा, सतर्कता अधिकारी अजय मिश्रा, हेमलता सिजोरिया विवेक यादव विद्यालय से श्रीमती रानी लता संचालन विद्यालय के एस पी पाठक ने किया।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

पूर्व दिशा की ओर जाने वाली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ-2024

छठ पूजा त्यौहार के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा अन्य क्षेत्रीय रेलों के सहयोग से दिनांक 07.11.2024 को पूर्व दिशा की ओर निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई जायेंगी, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

दिनांक 07.11.2024 (गुरूवार) को पूर्व दिशा की ओर प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	स्थान	ठहराव
04032	आनन्द विहार (टर्मि.)	05:15	सहरसा जं.	10:30	3 टियर वाता.	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढ़ी, जनकपुर रोड, दरभंगा जं., सकरी जं., झंझारपुर, निर्मली, सरायगढ़, सुपौल और गढ़ बरुआरी
04058	आनन्द विहार (टर्मि.)	23:15	मुजफ्फरपुर	21:15	2 + 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, चंदौसी जंक्शन, हरदोई, लखनऊ, गोरखपुर जंक्शन, छपरा और हाजीपुर जंक्शन
05220	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:00	मुजफ्फरपुर	00:45	शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर जं. एवं हाजीपुर जं.
05110	आनन्द विहार (टर्मि.)	12:55	छपरा	06:45	सामान्य	मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, बुढ़वल जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर एवं सिवान जं.
04028	आनन्द विहार (टर्मि.)	09:00	जयनगर	07:30	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., मोकामा जं., बरौनी जं., समस्तीपुर जं., दरभंगा जं. एवं मधुबनी
02398	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:20	गया	00:30	2 टियर वाता., 2+3 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन और अनुग्रह नारायण रोड
05284	आनन्द विहार (टर्मि.)	07:00	मुजफ्फरपुर	04:50	2 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जंक्शन, बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, पिपरा, चकिया, मेहसी और मोतीपुर
04124	हज़रत निज़ामुद्दीन	15:50	प्रयागराज जं.	09:00	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मथुरा जं., आगरा कैंट., धौलपुर, ग्वालियर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, मऊ रानीपुर, हरपालपुर, कुलपहाड़, महोबा, बांदा जंक्शन, अतर्रा, चित्रकूट धाम, मानिकपुर जंक्शन, डभौरा और शंकरगढ़
04080	दिल्ली जं.	19:30	वाराणसी जं.	09:45	2+3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, लखनऊ और माबेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़
05004	दिल्ली जं.	15:15	गोरखपुर जं.	07:30	3 टियर इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, बुढ़वल जं., गोंडा, बस्ती एवं खलीलाबाद
04074	दिल्ली जं.	23:55	कोलकाता	03:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता.	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., किऊल, जसीडीह जं., मधुपुर जं., आसनसोल जं., दुर्गापुर एवं बर्धमान
02564	नई दिल्ली	17:55	बरौनी जं.	15:10	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा एवं मुजफ्फरपुर जं.
02570	नई दिल्ली	12:15	दरभंगा	10:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02394	नई दिल्ली	13:20	पटना जं.	07:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान, सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर
04674	नई दिल्ली	14:20	जयनगर	15:40	शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., मोकामा जं., बरौनी जं., समस्तीपुर जं. एवं दरभंगा जं.
04494	नई दिल्ली	05:00	पटना जं.	22:30	शयनयान एवं सामान्य	साहिबाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा एवं दानापुर
04230	नई दिल्ली	11:30	हाजीपुर	05:30	शयनयान एवं सामान्य	साहिबाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर और पाटलिपुत्र जं.

रेल यात्रा के दौरान ज्वलनशील वस्तुएं जैसे पटाखे, पेट्रोल, मिट्टी का तेल, गैस सिलेंडर आदि लेकर कभी यात्रा न करें।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पर हमें फॉलो करें

खास खबर

टिकटॉकर बेला की कैंसर से हुई मौत

लंदन। दुनिया में कभी जब किसी युवा का जान किसी बीमारी या दुर्घटना के कारण चली जाती है, तो वह दर्द उसके परिवार के लिए असहनीय होता है जिसे वह कभी भूल नहीं पाते हैं। ऐसा ही ऑस्ट्रेलिया की मशहूर टिकटॉकर बेला ब्रैडफोर्ड के परिवार और उनके फैंस के लिए एक गहरा दुख सामने आया। 24 साल की बेला की मौत दुर्लभ कैंसर रबडोमायोसारकोमा से हो गई जिसने उनके जीवन को समय से पहले ही खत्म कर दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक टिकटॉकर बेला ब्रैडफोर्ड ने अपनी मौत से ठीक पहले एक आखिरी वीडियो बनाया था, जिसे उनके परिवार ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। इस वीडियो ने उनके फैंस और दर्शकों की आंखें आंसुअें से भर दीं। वीडियो में कमजोर दिख रही बेला ने अपने संघर्ष और भावनाओं को साझा किया। उन्होंने कहा कि मुझे कैंसर है और दुर्भाग्य से अब तक मेरा जीवन खत्म हो चुका है। मैं मर चुकी हूं, लेकिन मैं एक आखिरी गेट रेडी विद मी करना चाहती थी, क्योंकि मुझे यह करना पसंद है और मुझे फैशन से प्यार है। इस मजेदार यात्रा में मेरा अनुसरण करने के लिए धन्यवाद।

गाजा पर हवाई हमला, 30 लोगों की मौत

बेरुत । इजराइल ने उत्तरी गाजा में मंगलवार को फिर राकेट दागे हैं। फिलस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों ने दावा किया है कि इजराइल द्वारा गाजा में किये गए हवाई हमले में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार तड़के हुए हमले में गाजा पट्टी में चार बच्चों और दो महिलाओं समेत 10 लोगों की मौत हो गई है, जबकि सोमवार देर रात के हमले में बेत लहिया शहर में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। इजराइल करीब एक महीने से बड़े पैमाने पर उत्तरी गाजा को निशाना बना रहा है और उसने बेत लहिया, नजदीकी शहर बेत हुनान और शहरी जाबलिया शरणार्थी शिविर को पूरी तरह से खाली करने की चेतावनी दी है। उसने पिछले एक महीने से लगभग न के बराबर मानवीय सहायता पहुंचाने की अनुमति दी है।

पाक आर्मी चीफ का कार्यकाल बढ़ा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आर्मी चीफ के कार्यकाल को अब 3 साल से बढ़ाकर 5 साल कर दिया गया है। पाकिस्तान की सरकार ने सोमवार को कानून में यह संशोधन किया। इसी के साथ मौजूदा आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर भी अब 2027 तक पद पर कायम रहेंगे। पहले उनका कार्यकाल 2025 में खत्म होने वाला था। आर्मी चीफ के अलावा पाकिस्तानी सेना के दूसरे सीनियर कमांडरों का कार्यकाल भी बढ़ा दिया गया है।

Name Change

I Jyotsana Pahuja .W/o Shri Priyansh pahuja R/o L-23, Gulshan Vivante, Sec-37, Noida Distt G.B Nagar, (U.P) 201303 my above Name is true and correct. my correct Name is Jyotsana pahuja my incorrect Name Jyotsana is Printed in My Passport. P9215957. My correct Name is Jyotsana pahuja. jyotsana pahuja and Jyotsana are the Same person. all Names Mentioned are true & correct.

हरदोई में सड़क हादसा, 10 लोगों की मौत

- आठ लोग गंभीर रूप से घायल
- जान गंवाने वालों में 05 महिलाएं, 02 बच्चियां, 01 बच्चा और 02 पुरुष

एजेंसी

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में ग्राम रोशनपुर के पास बुधवार को डीसीएम और ऑटो की टक्कर में 10 लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। जान गंवाने वालों में 05 महिलाएं, 02 बच्चियां, 01 बच्चा और 02 पुरुष हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। साथ ही संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने बताया कि रोशनपुर गांव के पास सामने से आ रहे डीसीएम की ऑटो से टक्कर हो गई। इस हादसे में ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया, उसमें सवार सात सावारियों की मौके पर मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कुछ देर बाद तीन घायलों ने बिलग्राम स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल पांच अन्य लोगों को बेहतर इलाज मुहैया कराया जा रहा है। घटना की जानकारी पर जिला अधिकारी, पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारी जिला मुख्यालय से घटनास्थल के लिए रवाना हुए। घटना के बाद से डीसीएम चालक और हेल्पर फरार हो गए। मृतकों की शिनाख्त की जा रही है।

कुपवाड़ा और बांदीपोरा में दो आतंकी ढेर, ऑपरेशन जारी

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ चल रहे अभियान में भारतीय सुरक्षा बलों को एक बड़ी कामयाबी मिली है। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा और बांदीपोरा में आतंकियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में अब तक दो आतंकियों को मार गिराया गया है। यह ऑपरेशन मंगलवार से जारी है और इसमें भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के जवान शामिल हैं। ऑपरेशन को लेकर सेना के प्रवक्ता ने बताया, कि बांदीपोरा के ओपी कैतसन क्षेत्र में जारी इस ऑपरेशन के दौरान एक आतंकी को मार गिराया गया। सेना की चिनार कोर ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इस बात की पुष्टि करते हुए लिखा, कि बांदीपोरा के ओपी कैतसन में सुरक्षा

बलों के द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन में एक आतंकवादी को मार गिराया गया है। ऑपरेशन अभी भी जारी है।

चुंटावाड़ी कैतसन क्षेत्र में मंगलवार को ऑपरेशन शुरू किया गया था, जब सुरक्षाबलों को आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली। इसके बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया। जब आतंकियों ने खुद को घिरा पाया, तो उन्होंने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में एक आतंकी मारा गया।

जहरीली बनी हुई है दिल्ली की हवा, एक्यूआई औसत 358

- बच्चे और बुजुर्गों को घर से बाहर निकलने के दौरान सांस लेने में हो रही परेशानी

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली की हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई है। बुधवार को दिल्ली की औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 358 रहा। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली की हवा जहरीली बनी हुई है। दिल्ली वासियों को खासतौर पर बच्चे और बुजुर्गों को घर से बाहर निकलने के दौरान सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। केंदीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार राजधानी दिल्ली में बुधवार सुबह 7.30 बजे तक औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 358 अंक रहा। जबकि दिल्ली एनसीआर के शहर फरीदाबाद में 234, गुरुग्राम में 304, गाजियाबाद में 276, ग्रेटर नोएडा में 274 और नोएडा में 266 एक्यूआई रहा। दिल्ली के चार इलाकों में एक्यूआई लेवल 400 से ऊपर मापा गया, जिसमें बवाना में 412, मुंडका में 419, एनएसआईटी द्वारका में 447 और वजीरपुर में 421 एक्यूआई दर्ज किया गया। जबकि दिल्ली एनसीआर के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई 300 से 400 के बीच में दर्ज किया गया। अलीपुर में 372, अशोक विहार में 398, आया नगर में 334, बुराड़ी क्रॉसिंग में 370, चांदनी चौक में 311, मथुरा रोड में 333, डॉ करणी सिंह शूटिंग रेंज में 367, डीटीयू में 355, द्वारका सेक्टर 8 में 355, आईजीआई एयरपोर्ट में 347, आईटीओ में 327, जहांगीरपुरी में 398, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 315 और लोधी रोड में 309 एक्यूआई रहा। इनके अलावा मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 354, मंदिर मार्ग में 356, नजफगढ़ में 354, नरेला में 377, नेहरू नगर में 376, न्यू मोती बाग में 381, नॉर्थ कैंपस डीयू में 373, ओखला फेस 2 में 357, पटपड़गंज में 381, पंजाबी बाग में 388, पूषा में 330, आर के पुरम में 373, शादीपुर में 372, सिरी फोर्ट में 341, सोनिया विहार में 354 और दिलशाद गार्डन में 358 एक्यूआई दर्ज किया गया।

सलमान खान को धमकी देने वाला युवक गिरफ्तार

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को धमकी देने के आरोप में 35 वर्षीय एक व्यक्ति को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सलमान को मंगलवार को धमकी दी गई थी कि वह मंदिर जाकर माफी मांगें या काला हिरण शिकार मामले में पांच करोड़ की फिरौती दें। मुंबई पुलिस को धमकी भरा मेल मिलने के बाद मामले की जांच पुलिस कर रही थी। सोशल मीडिया के जरिए भेजे गए धमकी भरे पत्र में यह भी कहा गया था कि अगर सलमान ने माफी नहीं मांगी तो उन्हें जान से मार दिया जाएगा। इस मामले में मुंबई पुलिस ने कर्नाटक से एक युवक को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक युवक का नाम विक्रम है। आगे की जांच पुलिस कर रही है।

पी चिदंबरम ने एयर इंडिया पर लगाए बदइंतजामी के आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने एयर इंडिया के स्टाफ पर बदइंतजामी के आरोप लगाए हैं। खास बात ये है कि चिदंबरम ने ये आरोप सार्वजनिक रूप से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लगाए हैं। 15 मिनट से वो एयरो ब्रिज पर खड़े होकर फ्लाइट का इंतजार कर रहे थे, लेकिन विमान का दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने ट्वीट किया है। पी चिदंबरम ने एक्स पर ट्वीट किया, दिल्ली से चेन्नई जा रही उड़ान एआई 540 के सभी यात्री पिछले 15 मिनट से एयरो ब्रिज पर खड़े हैं। हमें गेट पर चढ़ने के लिए मंजूरी दे दी गई थी, लेकिन विमान के दरवाजे पर इंतजार करने के लिए कहा गया था। यात्री प्रस्थान समय के 10 मिनट बाद ही सवार हो रहे

हैं। कोई नहीं जानता कि फ्लाइट कब रवाना होगी। इसके बाद कांग्रेस के सीनियर नेता ने लिखा, मैं एयर इंडिया से अक्सर यात्रा करता रहा हूं। मुझे खेद है कि प्रबंधन के सरकार से निजी क्षेत्र में हाथ बदलने के बाद से व्यावहारिक रूप से कोई सुधार नहीं हुआ है। मैं उड़ान के कई पहलुओं को सूचीबद्ध कर सकता हूं, जिन्हें एक सक्षम प्रबंधन द्वारा बेहतर बनाया जा सकता है। मुझे लगता है कि एयर इंडिया में विभिन्न स्तरों पर सक्षम प्रबंधकों की कमी है।

ईरान पर बमबारी कर सकता है अमेरिका

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिका जल्द ही ईरान पर बमबारी कर सकता है। इसके लिए अमेरिका ने मध्य पूर्व में अपने छह इ-52 बमवर्षक विमानों को तैनात किया है। इसकी पुष्टि अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से की गई है। अमेरिकी इ-52 बमवर्षक परमाणु हमला भी करने में सक्षम हैं, इसके अलावा ये पारंपरिक बमबारी भी कर सकते हैं। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि अगर ईरान तीसरी बार इजरायल पर हमले की कोशिश करता है तो अमेरिका उसके खिलाफ बी-52 बमवर्षकों से बमबारी का विकल्प आजमा सकता है। ऐसी रिपोर्ट्स हैं कि सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के बदला लेने की तकरीरों के बाद ईरानी सेना इजरायल पर एक बार फिर बमाबारी की तैयारी कर रही है। यूएस सेंट्रल कमांड ने घोषणा की कि रविवार को मध्य पूर्व में इ-52 विमानों का एक समूह पहुंचा था, लेकिन बमवर्षकों की सही संख्या का खुलासा नहीं किया गया। अमेरिका कुल छह इ-52, ऋ15ए स्ट्राइक ईगल्स का एक अतिरिक्त स्क्वाड्रन और उन विमानों का समर्थन करने के लिए अधिक हवाई ईंधन भरने वाले टैंकर तैनात कर रहा है। सूत्रों ने यह नहीं बताया कि उत्तरी डकोटा में मिनोट एयर फोर्स बेस से ट्रांसफर किए गए बमवर्षक विमान कहां तैनात किए जाएंगे।

अभिनेता कार्तिक ने की गंगा आरती

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन अपनी फिल्म भूल भुलैया 3 की सफलता से खुश हैं। इस फिल्म को सिंघम अगेन के साथ बॉक्स ऑफिस पर क्लैश का सामना करना पड़ा। दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। भूल भुलैया 3 ने रिलीज के बाद से अब तक करीब 124 करोड़ से ज्यादा कमा लिए हैं। इसी बीच कार्तिक आर्यन और निमार्ता भूषण कुमार मंगलवार को वाराणसी गए जहां उन्होंने दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती की। कार्तिक आर्यन ने माथे पर तिलक लगाया और हाथों में फूलों की माला लिए हुए थे। कार्तिक ने इस दौरान एक सिंपल लुक अपनाया था।

सऊदी अरब में बर्फबारी, रेगिस्तान बन गया वंडरलैंड

एजेंसी

रियाद। सऊदी अरब के अल-जौफ क्षेत्र में हाल ही में हुई बर्फबारी ने रेगिस्तान को एक शीतकालीन वंडरलैंड के तौर पर बदल दिया है। इस क्षेत्र में पहली बार बर्फबारी का नजारा देखने को मिला है। सऊदी मीडिया के मुताबिक, यह बर्फबारी इस क्षेत्र के इतिहास में पहली बार देखी गई है और इसे एक असामान्य मौसमीय घटना के रूप में देखा जा रहा है। बर्फबारी से पहले क्षेत्र में भारी बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे मौसम अचानक ठंडा हो गया और तापमान अप्रत्याशित तौर पर गिर गया। यहां बताते चलें कि पिछले हफ्ते से ही सऊदी अरब के मौसम में असामान्य बदलाव देखे जा रहे हैं। अल-जौफ में बुधवार को भारी

बारिश और ओले गिरे, जिसके बाद उत्तरी सीमा, रियाद और मक्का क्षेत्र सहित तबुक और अल बहाह क्षेत्रों में भी बदलते मौसम का प्रभाव नजर आया। सोमवार को अल-जौफ के पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी हुई, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई हैं। यूएई के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (एनसीएम) ने इस असामान्य मौसम का कारण एक निम्न दबाव प्रणाली को बताया है, जो अरब सागर से ओमान तक फैली हुई है। इस प्रणाली से आई नमी भरी हवाओं ने पूरे क्षेत्र में गरज, ओले और बारिश की स्थिति पैदा की, जो अगले कुछ दिनों तक बनी रह सकती है। सऊदी अरब में बर्फबारी बेहद दुर्लभ मानी जाती है, हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में जलवायु में व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं। कुछ साल पहले, सहारा के रेगिस्तान में तापमान -2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की घटना भी चर्चा में रही। विशेषज्ञों का मानना है कि यह जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों का संकेत है, जिससे पश्चिम एशिया जैसे क्षेत्र भी प्रभावित हो रहे हैं। बदलते वायुमंडलीय स्थितियों के कारण रेगिस्तानों में बर्फबारी जैसी असामान्य घटनाएं देखने को मिल रही हैं। इस साल की शुरूआत में, रियाद में भारी बारिश के कारण आई अभूतपूर्व बाढ़ और दुबई में बाढ़ ने भी क्षेत्र के बदलते मौसम को रेखांकित किया था।

छठ पर्व पर पूजा अर्चना करती बबीता श्रीवास्तव

वैज्ञानिकों ने की एक विशेष बैक्टीरिया की खोज

एजेंसी

लंदन । ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने एक विशेष बैक्टीरिया की खोज की है, जो बीमारियां फैलाने वाले मच्छरों की वृद्धि को रोकने में सहायक हो सकता है। एक्सेटर और वगेनिंजेन विश्वविद्यालयों की शोधकताओं की टीम ने दिखाया है कि यदि मच्छरों के लार्वा असाइआ बैक्टीरिया के संपर्क में आते हैं, तो उनकी वृद्धि में तेजी आती है। यह खोज डेंगू, पीला बुखार, और जीका जैसी मच्छरों द्वारा फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम में मदद कर सकती है।

हाल ही में एक मैग्जीन में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, इस बैक्टीरिया ने मच्छरों के विकास के समय को एक दिन बढ़ा दिया है।

यह अध्ययन इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे असाइआ बैक्टीरिया मच्छरों के जीवन चक्र को प्रभावित कर सकते हैं। इससे पहले भी ऐसे कार्यक्रम चलाए गए हैं, जिसमें बिना काटने वाले नरों को पैदा करके छोड़ा गया है, ताकि बीमारियों के प्रसार को रोका जा सके। यह तरीका कीटनाशकों के मुकाबले अधिक प्रभावी साबित हो सकता है, खासकर जब मच्छरों ने कीटनाशकों के प्रति प्रतिरोध विकसित कर लिया है। शोधकर्ता प्रोफेसर बेन रेमंड ने बताया, असाइआ बैक्टीरिया मच्छरों के स्वास्थ्य में सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन इसे एडीस इजिप्टी पर पहले कभी पूरी तरह से नहीं आजमाया गया था।

पृष्ठ एक के शेष....

जहरीली बनी....

अशोक विहार 417, आईटीओ 358, जहांगीरपुरी 428, रोहिणी 405, नजफगढ़ 363 पर रहा। जबकि नोएडा में सेक्टर-116 में एक्यूआई 325, सेक्टर-125 में एक्यूआई 245 तथा ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-3 में एक्यूआई 306 पर दर्ज किया गया।

अस्ताचल सूर्य को...

पांच प्रकार के फल रखे जाते हैं। सूर्यास्त से थोड़ी देर पहले लोग अपने पूरे परिवार के साथ नदी के किनारे छठ घाट जाते हैं। छठ घाट की तरफ जाते हुए रास्ते में महिलाएं गीत भी गाती हैं। इसके बाद व्रती महिलाएं सूर्य देव की ओर मुख करके डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर पांच बार परिक्रमा करती हैं। अर्घ्य देते समय सूर्य देव को दूध और जल चढ़ाया जाता है। उसके बाद लोग सारा सामान लेकर घर आ जाते है। घाट से लौटने के बाद रात्रि में छठ माता के गीत गाते हैं।

आज से नि:शुल्क....

उत्तर प्रदेश के अन्य जनपदों/राज्यों के प्रवासी अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारक, जिनके द्वारा गौतमबुद्धनगर के उचित दर विक्रेताओं के यहां से वन नेशन वन राशन कार्ड योजना के तहत पोर्टेबिलिटी के आधार पर खाद्यान्न अपनी सुविधानुसार किसी भी उचित दर दुकान से प्राप्त किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि संबंधित नोडल अधिकारी द्वारा उचित दर दुकान पर उपलब्ध खाद्यान्न आदि का भौतिक सत्यापन करने के उपरांत अपनी उपस्थिति में दुकान पर खाद्यान्न आदि का वितरण सुनिश्चित कराया जाएगा। अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को गेहूं, चावल आदि के वितरण की अंतिम तिथि 25.11.2024 होगी।

उन्होंने बताया कि यदि उन्हें आवश्यक वस्तुए प्राप्त करने में कोई समस्या उत्पन्न हो तो, उसके निराकरण हेतु अपनी तहसील में सम्बन्धित उपजिलाधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी एवं क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी/पूर्ति निरीक्षक से अथवा क्रियाशील कॉल सेंटर एवं टोल फ्री नम्बर-1967 एवं 1800-1800-150 पर समस्या दर्ज करा सकते हैं।

एलएलबी के छात्र...

बदमाश ने पूछताछ में अपना नाम जतिन चौहान उर्फ सोनू चौहान (27 वर्ष) पुत्र जिलानी चौहान निवासी 57 A /379 झुग्गी सुंदर नगरी थाना नंद नगरी जिला उत्तर पूर्वी दिल्ली बताया। साथ ही बताया कि मैं एलएलबी का छात्र हूं। मुझे जुआ खेलने का शौक है। जुए में करीब 01 लाख रुपए हार गया था। उसकी भरपाई और अपने शौक पूरा करने के लिए मोबाइल एवं चेन स्नेचिंग करता हूं। जिन्हें मैं राह चलते व्यक्तियों को बेच देता हूं। बदमाश द्वारा थाना लिंक रोड, इन्दिरापुरम, साहिबाबाद, शालीमार गार्डन आदि क्षेत्र में कई स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम दिया गया था।

वहीं थाना शालीमार गार्डन पुलिस टीम द्वारा जीडीए मार्केट सेक्टर 3 के सामने राजेंद्र नगर की तरफ से आने वाले रास्ते पर चेकिंग की जा रही थी तभी मोटर साइकिल सवार व्यक्ति राजेंद्र नगर की ओर से आने वाले रास्ते की तरफ से आता दिखाई दिया, जिनको चेकिंग के लिए रुकने का इशारा किया गया तो नहीं रुका और अपनी बिना नंबर की मोटर साइकिल को तेजी से भागने लगा शक होने पर पुलिस द्वारा पीछा किया गया तो पुलिस टीम को अपने पीछे आते देख भाग रहे बदमाश के द्वारा मोटर साइकिल को तेजी से भगाने के कारण मोटर साइकिल गाजियाबाद दिल्ली वजीराबाद रोड के किनारे कच्चा रास्ता होने के कारण फिसल कर गिर गई और पुलिस पार्टी को पीछे आते देख भाग रहे बदमाश द्वारा पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से सीधा फायर कर दिया पुलिस टीम द्वारा की गई जवाबी कार्यवाही में पुलिस पार्टी पर फायर कर रहे बदमाश के पैर में गोली लग गई।

घायल बदमाश की पहचान जुगल पुत्र विनोद निवासी के ब्लॉक सुंदर नगरी दिल्ली उम्र-30 वर्ष के रूप में हुई है। गिरफ्तार जुगल पर दिल्ली व गाजियाबाद में हत्या, लूट/स्नेचिंग व चोरी के लगभग दो दर्जन से अधिक मामले पंजीकृत हैं।

लोकगीत गायिका पद्म विभूषण शारदा सिन्हा के निधन पर श्रद्धांजलि

मीरजापुर (चेतना मंच)। लोकगीतों की ख्यातिलब्ध गायिका स्वरकोकिला पद्म विभूषण श्रीमती शारदा सिन्हा के निधन से आहत जनपद मीरजापुर के साहित्यकारों ने शोकसभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा ने श्रीमती शारदा सिन्हा के निधन को लोक जीवन की अपूरणीय क्षति बताया। साहित्यकार गणेश गंभीर ने कहा कि छठ मईया के गीतों की अनन्य लोक गायिका शारदा सिन्हा छठ पर्व पर ही प्रयाण कर गयीं, यह दैवीय कृपा ही है। साहित्यकार लल्लू तिवारी ने कहा कि हिन्दी,मगही, भोजपुरी और मैथिली की विश्व प्रसिद्ध गायिका श्रीमती सिन्हा के निधन से हम सभी आहत हैं। अरविंद अवस्थी ने कहा कि शारदा सिन्हा ने फिल्मों में भी अपनी गायकी से देश का नाम रोशन किया। उनके गीत भविष्य में लंबे समय तक गुनगुनाये जाते रहेंगे। केदारनाथ सविता ने कहा कि अपने गीतों से जनमानस को भावुक कर देने वाली गायिका शारदा

सिन्हा को हमेशा याद किया जायेगा। श्रद्धांजलि देने वाले अन्य लोगों में सर्वश्री श्याम अचल, पूजा यादव, नन्दिनी वर्मा, गुमनाम मिर्जापुरी आदि प्रमुख थे।

खास खबर

रैना ने कैंची धाम आश्रम में की पूजा अर्चना

नैनीताल । पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना यहां दर्शनों के लिए बाबा नीम करौली के कैंची धाम आश्रम पहुंचे। रैना ने आश्रम पहुंचकर पूजा अर्चना और ध्यान लगाया। रैना ने इसके साथ ही बाबा की शिला पर फूल माला भी चढ़ाई। इस दौरान कैंची धाम मंदिर प्रबंधक भयू साह और अन्य पदाधिकारियों ने रैना का स्वागत किया। रैना कुछ समय यहां रहे। रैना ने कहा कि उन्हें आज नीम करौरी महाराज के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। इससे उन्हें बड़ी मानसिक शांति मिली है। नीम करौरी महाराज के दर्शन के लिये इन दिनों श्रद्धालुओं की काफी भीड़ उमड़ रही है। बाबा के दर्शन करने वालों में कई बड़ी हस्तियां शामिल रही हैं। नीम करौरी महाराज के दर्शन करने वालों में अभी तक देश के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, उप्र के मंत्री दारा सिंह, सपा नेता डिंपल यादव, क्रिकेटर विराट कोहली एवं उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा, क्रिकेटर उमेश यादव, ऋषभ पंत, लक्ष्य सेन, अभिनेता एवं सांसद रवि किशन, अभिनेता राजपाल यादव आदि लोग शामिल हैं।

अनुराग गिरी चैम्पियनशिप के लिए चयनित

भोपाल/इन्दौर । 10 बॉल पूल में देश के नम्बर 2 क्यूइस्ट राजधानी भोपाल के अनुराग गिरी का चयन वर्ल्ड व एशियन 10 बॉल पूल चैम्पियनशिप के लिए हुआ है। वर्ल्ड चैम्पियनशिप 8-14 दिसंबर तथा एशियन चैम्पियनशिप 15-19 दिसंबर तक दोहा (कतर) में खेला जायेगी। उल्लेखनीय है कि अनुराग गिरी ने इन्दौर में आयोजित 10 बॉल पूल नेशनल चैम्पियशिप में सिल्वर मेडल जीता था। इस प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। अनुराग का यह पहला इंटरनेशनल टूर्नामेंट है। बिलियर्ड्स व स्नूकर फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा घोषित खिलाड़ियों की सूची में वर्ल्ड चैम्पियनशिप में भारत की ओर से 5 तथा एशियन चैम्पियनशिप में 9 खिलाड़ी भाग लेंगे।

रोहित और गंभीर के बीच मतभेद उभरे

मुम्बई। लगता है भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच गौतम गंभीर के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। न्यूजीलैंड से मिली हार के बाद दोनों के बीच मतभेदों की बात सामने आयी है। एक रिपोर्ट के अनुसार कप्तान और कोच की सोच अलग है जिससे टीम को सफलता नहीं मिल पा रही है। गंभीर और रोहित की सोच एक दूसरे से अलग नजर आती है। गंभीर ने हाल में कहा था कि टेस्ट क्रिकेट को टेस्ट क्रिकेट की तरह खेलें। अपना रक्षात्मक खेल बेहतर करें। वहीं दूसरी तरफ रोहित का मानना है कि आक्रामक क्रिकेट से ही जीत मिलती है। यह भी पता चला है कि रोहित और गंभीर घरेलू टेस्ट मैचों के लिए अलग-अलग तरह की पिचें चाहते हैं। द्रविड़ की कोचिंग वाले पिछले टीम प्रबंधन ने इसी को देखते हुए टर्निंग पिचों को नहीं बनवाया था क्योंकि इसका लाभ विदेशी टीमों को मिलता रहा है। खराब पिचें विदेशी स्पिनरों को फायदा पहुंचाती हैं।

आईपीएल नीलामी में 1574 खिलाड़ियों पर लगेगी बोली

एजेंसी

मुम्बई । इंडिया प्रीमियर लीग के 2025 सत्र के लिए 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होने वाली मेगा नीलामी में 1574 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। इन खिलाड़ियों में जेम्स एंडरसन, इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारत के ऋषभ पंत, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इस सूची में 320 कैप्ड (जिसने अंतरराष्ट्रीय मैच खेला हो) खिलाड़ी जबकि 1,224 अनकैप्ड (जिसने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ी और एसोसिएट देशों के 30 खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों में 48 भारत के हैं। इसके अलावा देश के 965 अनकैप्ड खिलाड़ी भी नीलामी का हिस्सा होंगे।

एंडरसन ने 1.25 करोड़ के आधारमूल्य पर अपन नाम दर्ज कराया है जबकि आर्चर, ऋषभ पंत, केएल राहुल, श्रेयस ने दो करोड़ का आधारमूल्य रखा है। कुल 409 विदेशी खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए पंजीकरण किया है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी अधिकतम 25 खिलाड़ियों (संबंधित रिटेन खिलाड़ियों सहित) की टीम बना सकेगी और नीलामी से कुल 204 खिलाड़ी खरीदे जा सकेंगे। नीलामी में 91 खिलाड़ियों के साथ दक्षिण अफ्रीका का दूसरा सबसे बड़ा खिलाड़ी पूल है जिसके बाद 76 खिलाड़ियों के साथ ऑस्ट्रेलिया का नंबर आता है। इंग्लैंड से 52 और न्यूजीलैंड से 39 क्रिकेटर नीलामी में हिस्सा लेंगे जबकि वेस्टइंडीज (33) और अफगानिस्तान (29) और श्रीलंका (29) इस सूची में अगले पायदान पर हैं। एसोसिएट देशों में यूएसए (10), नीदरलैंड (12), कनाडा (4), इटली (1), यूएई (1) और स्कॉटलैंड (2) के खिलाड़ी नीलामी का हिस्सा लेंगे। नीलामी के दौरान 10 फ्रेंचाइजी के पास 204 खिलाड़ियों पर खर्च करने के लिए सामूहिक रूप से लगभग 641.5 करोड़ रुपए होंगे। इन 204 स्थानों में से 70 विदेशी खिलाड़ियों के लिए निर्धारित हैं। अब तक 10 फ्रेंचाइजी ने 558.5 करोड़ रुपए के सामूहिक खर्चे के साथ 46 खिलाड़ियों को रिटेन किया है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी को अपनी टीम बनाने के लिए 120 करोड़ रुपए आवंटित किए गए। पंजाब किंग्स के पास सबसे अधिक 110.5 करोड़ रुपए हैं। पंजाब की टीम ने सिर्फ दो अनकैप्ड खिलाड़ियों शशांक सिंह और प्रभसिमरन सिंह को कुल 9.5 करोड़ रुपये में रिटेन किया है। संजू सैमसन की अगुआई वाली राजस्थान रॉयल्स के पास 6 खिलाड़ियों को रिटेन करने के बाद सबसे कम 41 करोड़ रुपए की राशि है।

अफ्रो-एशिया कप में रोहित की कप्तानी में खेलते नजर आ सकते हैं बाबर

एजेंसी

मुम्बई । आने वाले समय में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की कप्तानी में पाकिस्तान के बाबर आजम और शाहीन आफरीदी सहित कई विदेशी खिलाड़ी खेलते नजर आयेंगे। इसका कारण है कि रोहित आने वाले समय में अफ्रो-एशिया कप कम में कप्तानी करेंगे। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने हाल में हुई अपनी बैठक में अफ्रो-एशिया कप को फिर से आयोजित कराने पर बात की है। यह टूर्नामेंट इससे पहले साल 2005 और 2007 में हुआ था। अगर एसीए की योजना सफल होती है तो हमें इसका तीसरा सत्र देखने को मिल सकता है। अफ्रो-एशिया कप अफ्रीकन इलेवन और एशियन इलेवन के बीच खेला जाता है। इसमें अफ्रीकन इलेवन में ज्यादातर दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के खिलाड़ी शामिल होते हैं। वहीं एशियन इलेवन में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के खिलाड़ी खेलते हैं। अफ्रो-एशिया कप पहली बार 2005 में आयोजित किया गया था। तब एशियन इलेवन की कप्तानी पाकिस्तान के इंजमाम उल हक को मिली थी। अफ्रीका इलेवन की कमान शॉन पोलक को मिली थी। इसके अलावा ग्रीम स्मिथ ने भी अफ्रीकी टीम की कप्तानी की थी। एशियन इलेवन में इंजमाम की अगुवाई वाली इस टीम में भारत के 6 खिलाड़ी राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले, वीरेंद्र सहवाग, इरफान पठान, आशीष नेहरा और जहीर खान भी शामिल थे।

सिडनी थंडर के कप्तान नियुक्त हुए डेविड वार्नर

एजेंसी

सिडनी। डेविड वॉर्नर पर कप्तानी का प्रतिबंध हटाए जाने के बाद उन्हें बिग बैश लीग (बीबीएल) के आगामी संस्करण के लिए सिडनी थंडर का कप्तान घोषित किया गया है। बाएं हाथ के इस अनुभवी खिलाड़ी ने क्रिस ग्रीन की जगह ली है, हालांकि ग्रीन एक खिलाड़ी के रूप में टीम का हिस्सा बने रहेंगे। वार्नर को कप्तानी के लिए पात्र हुए दो सप्ताह से भी कम समय हुआ है, तीन सदस्यीय स्वतंत्र पैनल ने संतुष्टि व्यक्त की है कि उन्होंने प्रतिबंध को तत्काल प्रभाव से हटाने के लिए सभी मानदंडों को पूरा किया है। वार्नर ने क्लब की ओर से जारी एक बयान में कहा, इस सीजन में फिर से थंडर की कप्तानी करना मेरे लिए

बहुत मायने रखता है। मैं शुरू से ही टीम का हिस्सा था, और अब अपने नाम के आगे 'सी' के साथ वापस आना शानदार लगता है। मैं आगे बढ़कर नेतृत्व करने और आने वाली युवा प्रतिभाओं के साथ अपना अनुभव साझा करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा, मैदान के बाहर नेतृत्व भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मैं ऐसा माहौल बनाना चाहता हूं जहां हम सभी खेल से ब्रेक ले सकें, एक-दूसरे से जुड़ सकें और आनंद ले सकें। चाहे टीम के साथ खाना हो, गोल्फ कोर्स पर हो या पश्चिमी सिडनी में अपने प्रशंसकों से मिलना हो, यह सब सौहार्द बनाने और जमीन से जुड़े रहने के बारे में है। मैं ग्रीनी (क्रिस ग्रीन) के नेतृत्व करने के तरीके की सराहना करना चाहता हूं। वह शानदार नेतृत्व गुणों वाला एक असाधारण प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। जेसन संघा भी एक शानदार खिलाड़ी हैं। मैंने दोनों से बहुत अच्छी जानकारी हासिल की है और मुझे पता है कि इस सीजन में मैं उन पर भरोसा कर सकता हूं। थंडर को उम्मीद है कि वार्नर की कप्तानी उन्हें सफलता की ओर प्रेरित करेगी, क्योंकि पिछले सीजन में वे सबसे निचले पायदान पर रहे थे। बीबीएल 14 की शुरुआत 15 दिसंबर से होगी।

टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

एजेंसी

कैनबरा । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले टी20 सीरीज और बचे हुए दो एकदिवसीय मैचों के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंग्लिस करेंगे। ये टी20 सीरीज 14-18 नवंबर के बीच ब्रिसबेन, सिडनी और होबार्ट में होगी। इंग्लिस को अच्छे प्रदर्शन के कारण अनुभवी खिलाड़ियों ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस के होने के बाद भी कप्तानी दी गयी है। इंग्लिस ने पिछले साल भारत में विश्व कप में अहम भूमिका निभाई थी और अब अनुभवी कीपर मैथ्यू वेड के संन्यास लेने से वह सफेद गेंद के

प्रारूप में विकेटकीपर के तौर पर पहली पसंद होंगे। चयन अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, जोश एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों का एक अहम सदस्य है और मैदान के अंदर और बाहर एक बेहद सम्मानित खिलाड़ी है। वह पहले ऑस्ट्रेलिया ए की कप्तानी कर चुका है और अब राष्ट्रीय टीम में इस भूमिका में मजबूत सामरिक कौशल और सकारात्मक दृष्टिकोण लाएगा। जोश को मैट शॉर्ट और एडम जम्पा के साथ-साथ ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों से भी समर्थन मिलेगा। जोश को कमान मिलने से टेस्ट कप्तान पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ पाकिस्तान के खिलाफ चल रही एकदिवसीय सीरीज के अंतिम मैच से बाहर हो गए हैं जबकि तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन और जेवियर बार्टलेट को कीपर-बल्लेबाज जोश फिलिप और एक और तेज गेंदबाज लांस मॉरिस के साथ टीम में शामिल किया गया है।

काउंटी में शाकिब के गेंदबाजी एक्शन पर उठे सवाल

एजेंसी

लंदन । बांग्लादेश के अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के गेंदबाजी एक्शन पर सवाल उठे हैं जिसके बाद उन्हें इसकी जांच कराने को कहा गया है। शाकिब आजकल इंग्लैंड में काउंटी चैंपियनशिप खेल रहे हैं। इसी दौरान सरे की ओर से खेलते हुए अंपायरों ने उनके एक्शन को संदिग्ध मानते हुए इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को एक रिपोर्ट सौंपी थी जिसके बाद ईसीबी ने शाकिब को अपने गेंदबाजी एक्शन की जांच करवाने के लिए कहा है। शाकिब को हालांकि इस दौरान खेलने की अनुमति रहेगी। माना जा रहा है कि उनकी एक्शन की जांच अगले कुछ सप्ताह में होगी। शाकिब के लंबे करियर में यह पहली बार है जब उनके गेंदबाजी एक्शन की जांच हो रही है। शाकिब ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में अबतक 447 मैच खेले हैं। जिसमें उनके नाम 712 विकेट लिए हैं, जिसमें से 71 टेस्ट में 246 विकेट भी शामिल हैं। सोमरसेट के खिलाफ सितंबर में हुए खिताबी मुकाबले में शाकिब ने 9 विकेट लिए थे। साल 2010-11 के बाद शाकिब पहली बार काउंटी चैंपियनशिप खेल रहे थे। विल जैक्स और डैन लॉरेंस प्रमुख स्पिनरों के नहीं होने से सरे ने शाकिब के साथ करार किया था। शाकिब हालांकि सोमरसेट के खिलाफ मुकाबले में अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये थे। शाकिब ने 63 ओवर से अधिक गेंदबाजी की थी पर तब किसी भी गेंद को थ्रो के कारण नो बॉल करार नहीं दिया गया था।

अखिल भारतीय फुटबॉल प्रतियोगिता आज से

जगदलपुर। बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में जिला फुटबॉल संघ बस्तर के तत्वाधान में 7 से 17 नवंबर तक 11 दिवसीय अखिल भारतीय फुटबॉल प्रतियोगिता 2024 आयोजित किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन प्रियदर्शिनी स्टेडियम जगदलपुर मे गुरुवार 7 नवंबर को होगा। विदित हो कि बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में लगभग 9 वर्षों के बाद यह प्रतियोगिता आयोजित हो रही है। जिसको लेकर खेल प्रेमियों में खासा उत्साह है। लोगों ने बताया कि फुटबाल प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों का भी जमावड़ा होगा खेल प्रेमियों को बेहतरीन खेल देखने को मिलेंगे।

फातोर्डा में होगी गोवा और पंजाब एफसी की आक्रामक

एजेंसी

गोवा। बेहतरीन फॉर्म में चल रही दो टीमें एफसी गोवा और पंजाब एफसी बुधवार शाम फातोर्डा स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में आमने-सामने होंगी। एफसी गोवा ने बेंगलुरु एफसी पर 3-0 की शानदार जीत के साथ चार घरेलू मैचों में जीत से अपनी दूरी को समाप्त किया। लिहाजा, गौर्स इस मैच में नए आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे। वहीं, पंजाब एफसी भी जबर्दस्त फॉर्म में है, वो पांच मैचों में चार जीत और एक हार से 12 अंक लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर है। इस दौरान उसे एकमात्र हार 18 अक्टूबर 2024 को बेंगलुरू एफसी से मिली थी। गौर्स ने आईएसएल 2024-25 में 18-यार्ड बॉक्स के अंदर से 12 गोल किए हैं, जो इस अवधि में

सबसे ज्यादा हैं। उनमें से आमंडो सादिकू (6) और बोरा हेरारा (4) ने 10 गोल दागे हैं। गौर्स ने पिछले मैच में 16 हाई टर्नओवर (विपक्ष के गोल के 40 मीटर के भीतर गेंद को वापस जीतना) अपने नाम किए, जो सभी टीम में सबसे ज्यादा है। वहीं, पंजाब एफसी ने पिछले पांच मुकाबलों में चार जीत हासिल करके शानदार शुरूआत की है। इस दौरान बेंगलुरू एफसी के साथ उसका एकमात्र मैच था, जिसमें वो गोल करने में विफल रही थी।पंजाब ने प्रति मैच तीन बड़े मौके बनाए हैं, जो सभी टीम में सबसे अधिक है। इस सीजन में उनके नौ गोलों में से आठ उपरोक्त मौकों से आए हैं। एफसी गोवा के स्पेनिश हेड कोच मैनोलो मार्क्वेज ने कहा कि वह खेल के परिणाम की परवाह किए बिना सकारात्मक बने रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा, बतौर कोच मेरा अनुभव है कि यदि टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है तो आप बहुत नकारात्मक या निराशावादी नहीं हो सकते। बेशक, आप क्रोधित हो सकते हैं, लेकिन मुझे शीर्ष टीमों और निचली टीमों (तालिका में) के बीच बहुत अंतर नहीं दिखता है। पंजाब एफसी के ग्रीक हेड कोच पैनागियोटिस दिलमपेरिस एफसी गोवा के गेमप्ले के साथ तालमेल बिठाने को लेकर अधिक चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उनकी टीम आगामी मैच में गौर्स को खेल शैली में बदलाव करने के लिए मजबूर करेगी। उन्होंने कहा, हम उनके (एफसी गोवा की खेल शैली) के साथ तालमेल नहीं बिठाएंगे। हम अपने हिसाब से खेलने के लिए दबाव डालेंगे। हमें केवल इस बात की परवाह है कि हम दूसरी टीमें हमारे खिलाफ कैसे खेलती हैं।

धोनी का अनुभव चेन्नई के लिए अमूल्य संपत्ति : पोंटिंग

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार खिताब जिताने वाले महेंद्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंसा की है। पोंटिंग ने कहा कि धोनी का अनुभव और नेतृत्व चेन्नई के लिए अमूल्य संपत्ति की तरह है। सीएसके ने आईपीएल के नये नियमों के कारण इस बार धोनी को केवल 4 करोड़ रुपए में रिटेन किया है। धोनी ने साल 2019 में ही संन्यास ले लिया था। ऐसे में पांच साल बाद उन्हें केवल अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर ही आईपीएल में रखा जा सकता है। ऑक्शन नियमों के मुताबिक अनकैप्ड

प्लेयर के लिए अधिक से अधिक 4 करोड़ कीमत रखी गई है। धोनी 4 करोड़ में खेलने को तैयार हो गये जबकि वह मेगा नीलामी में बड़ी रकम हासिल कर सकते थे। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में मेजबान संजना गणेशन के साथ खेल में धोनी के महत्व पर बात की। पोंटिंग ने कहा कि संरक्षक भूमिकाओं के बीच धोनी टीम में अद्वितीय संतुलन लाते हैं। पोंटिंग ने कहा कि दो सीजन पहले उनके लिए समय सही नहीं था, पर पिछले साल उन्होंने फिर से वापसी की और कुछ मैचों में अपने खेल से पुरानी यादें ताजा करायी हैं। मुझे लगता है कि टीम पूरे सत्र में उसे शायद ही ले पाये। वे उसे एक गेम के लिए बाहर रखने और उसे वहां-वहां आराम देने के बारे में सोच सकते हैं जिससे यह पक्का हो सके कि वे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। पोंटिंग ने कहा कि धोनी अभी भी सीएसके के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि वह किसी भी टीम में हो, चाहे वह कप्तान हो या नहीं, वह हमेशा उस समूह के लिए एक संरक्षक और एक नेता के तौर पर ही रहेगा, चाहे वह खेल रहा हो, चाहे वह किनारे पर बैठा हो। वह मैदान के अंदर और बाहर नेतृत्व लाते हैं।

रोहित के बाद ऋषभ को टेस्ट कप्तान बनायें : कैफ

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि कप्तान रोहित शर्मा के उत्तराधिकारी के तौर पर विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत सबसे बेहतर रहेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर भारतीय टीम की 3-0 से करारी हार के बाद रोहित की कप्तानी पर भी सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में भविष्य को देखते हुए रोहित के उत्तराधिकारी की भी तलाश की जा रही है। इसी को लेकर कैफ ने कहा कि रोहित के पद छोड़ने के बाद आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ को कमान सौंपी जानी चाहिए। कैफ ने कहा कि मौजूदा टीम से केवल

ऋषभ ही टेस्ट कप्तान बनने की दौड़ में हैं। वह इसके योग्य है वह जब भी खेले, भारतीय टीम को आगे रखने में लगे रहे। वह जिस भी नंबर पर खेलने आएं, मैच जिताने वाली पारी खेलने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने सभी प्रकार की हालातों में रन बनाए हैं, चाहे वह इंग्लैंड हो, ऑस्ट्रेलिया हो या दक्षिण अफ्रीका। चाहे सीमिंग हो या टर्निंग ट्रैक, वह एक पूर्ण बल्लेबाज के तौर पर उभरकर आये हैं।

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग : पंत और मिशेल की शीर्ष 10 में वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिशेल मुंबई में खेले गए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के तीसरे मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापस आ गए हैं। पंत, जिन्होंने पहली पारी में 60 और दूसरी पारी में 64 रनों की पारी खेली थी, पांच पायदान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं, जो जुलाई 2022 में हासिल किए गए उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान से एक कम है। मिशेल, जो इस साल सितंबर में तीसरे स्थान पर थे, तालिका में नीचे खिसकने से पहले, 82 और 21 के स्कोर के बाद आठ पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। प्लेयर ऑफ द सीरीज विल यंग के 71 और 51 के स्कोर ने उन्हें करियर के सर्वश्रेष्ठ 550 रेटिंग अंकों के साथ 29 पायदान ऊपर 44वें स्थान पर पहुंचने में मदद की है, जबकि ग्लेन फिलिप्स 45वें से 42वें स्थान पर पहुंच गए हैं। शुभमन गिल के पहली पारी के 90 रन ने उन्हें 20वें से 16वें स्थान पर पहुंचने में मदद की है, लेकिन भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर खिसक गए हैं और पूर्व कप्तान विराट कोहली दिसंबर 2014 के बाद पहली बार दुनिया के शीर्ष 20 टेस्ट बल्लेबाजों की सूची से बाहर हो गए हैं। पुरुषों की नवीनतम साप्ताहिक रैंकिंग अपडेट में चटगाँव में बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टेस्ट में प्रदर्शन को भी

शामिल किया गया है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के तीन खिलाड़ियों ने एक ही पारी में पहला शतक बनाया, टेस्ट इतिहास में ऐसा केवल दूसरा मामला है। शतक लगाने वाले सभी बल्लेबाजों - टोनी डी जोरजी (32 पायदान ऊपर 38वें स्थान पर), ट्रिस्टन स्टब्स (27 पायदान ऊपर 71वें स्थान पर) और वियान मुल्डर (19 पायदान ऊपर 75वें स्थान पर) को रैंकिंग में फायदा मिला है। गेंदबाजी रैंकिंग में, भारत के बाएं हाथ के स्पिनर रवींद्र जडेजा और न्यूजीलैंड के प्लेयर ऑफ द मैच एजाज पटेल ने वानखेड़े स्टेडियम में अपने प्रदर्शन के बाद बढ़त हासिल की है। जडेजा ने तीसरे मैच में 10 विकेट लेने की बदौलत वे आठवें से छठे स्थान पर पहुँच गए हैं और 800 अंकों के पार पहुँच गए हैं, जबकि पटेल के 11 विकेटों ने उन्हें 12 पायदान की छलांग के साथ करियर के सर्वश्रेष्ठ 22वें स्थान पर पहुँचा दिया है। दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज भी दूसरी पारी में 59 रन देकर पांच विकेट लेने के बाद 23वें से 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं। तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा ने पहली पारी में पांच विकेट लेकर 11 रेटिंग अंक हासिल करके तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। भारत के ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर तीनों सूचियों में ऊपर चढ़े हैं, जबकि बांग्लादेश के नईम हसन, न्यूजीलैंड के ईश सोढ़ी और भारत के आकाश दीप गेंदबाजी रैंकिंग में आगे बढ़े हैं। न्यूजीलैंड के हाथों 3-0 से मिली हार के बाद भारत आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में दूसरे स्थान पर खिसक गया है। क्वालीफायर निर्धारित करने वाले प्रतिशत अंकों के अनुसार ऑस्ट्रेलिया अब शीर्ष पर है, जबकि दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड ने जोरदार वापसी की है। ऑस्ट्रेलिया (62.50), भारत (58.33), श्रीलंका (55.56), न्यूजीलैंड (54.55) और दक्षिण अफ्रीका (54.17) सभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे संस्करण में सात सीरीज शेष रहते हुए प्रतिस्पर्धा में बने हुए हैं।

रियाद में चेक गणराज्य की बारबरा क्रिजेकोविका पहले दौर का मैच जीतने के बाद उत्साहित होती हुई।

आस्था का महापर्व छठ

लोक आस्था का महापर्व है छठ। परम नियम-निष्ठा और सात्विकता के साथ चार दिवसीय यह पर्व नहाय-खाय से शुरू हो गया। रांची में बिहार, यूपी और झारखंड सहित अन्य प्रांतों के लोग भी इस पर्व को लेकर बहुत उत्साहित हैं। लोगों का मानना है कि यही एक ऐसा पर्व है, जिसमें एक दूसरे से किसी भी प्रकार का वैर भूलकर सहयोग के लिए लोग आगे आते हैं।

छठ पूजा शुभ मुहूर्त

छठ पूजा सूर्यदेव की उपासना के लिए प्रसिद्ध है। मान्यता है कि छठ देवी सूर्यदेव की बहन है। इसलिए छठ पर्व पर छठ देवी को प्रसन्न करने के लिए सूर्य देव को प्रसन्न किया जाता है। महाभारत में भी छठ पूजा का उल्लेख किया गया है। पांडवों की माता कुंती को विवाह से पूर्व सूर्य देव की उपासना कर आशीर्वाद स्वरुप पुत्र की प्राप्ति हुई जिसका नाम कर्ण था। पांडवों की पत्नी द्रौपदी ने भी उनके कष्ट दूर करने के लिए छठ व्रत की थीं।

छठ पर्व का महत्व

हिन्दू धर्म में छठ पर्व का विशेष महत्व है। इस पर्व को महिला और पुरुष समान रूप से मानते हैं। यह पर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से आरंभ होकर सप्तमी तक चलता है। पहले दिन यानि चतुर्थी तिथि को नहाय-खाय के रूप में मनाया जाता है। दूसरे दिन यानि पंचमी को खरना व्रत किया जाता है। इस दिन शाम के समय व्रती प्रसाद के रूप में खीर और गुड़ के अलावे फल आदि का सेवन करती हैं। इसके साथ ही अगले 36 घंटे के लिए निर्जला व्रत रखा जाता है। मान्यता है कि खरना पूजन से छठ देवी खुश होती हैं और घर में वास करतीं हैं। छठ पूजा की अहम तिथि षष्ठी को किसी नदी या जलाशय के में उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही इस महापर्व का समापन होता है।

इस साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि 7 नवंबर की देर रात 12.41 बजे से शुरू होगी और इसका समापन 8 नवंबर की देर रात 12.34 बजे होगा। ऐसे में 7 नवंबर, गुरुवार के दिन ही संध्याकाल का अर्घ्य दिया जाएगा। सुबह का अर्घ्य अगले दिन 8 नवंबर को दिया जाएगा।

दिवाली के बाद सबसे बड़ा त्योहार आता है छठ पूजा। इस पर्व को छठ, छठी, डाला छठ, डाला पूजा, सूर्य षष्ठी जैसे अनेक नामों से जाना जाता है। छठ का भोजपुरी में अर्थ होता है छठा दिन। कार्तिक महीने की चतुर्थी से शुरू होकर सप्तमी तक मनाया जाने वाला ये त्यौहार चार दिनों तक चलता है। मुख्य पूजा कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की छठी के दिन की जाती है। इस दौरान सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर उपासना की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छठ देवी सूर्य देव की बहन हैं और उन्हीं को प्रसन्न करने के लिए भगवान सूर्य की अराधना की जाती है। इस दिन सूर्य की भी पूजा की जाती है। माना जाता है जो व्यक्ति छठ माता की इन दिनों पूजा करता है छठ माता उनकी संतानों की रक्षा करती हैं। मान्यताओं के अनुसार छठ पूजा के लिए कई कथाएं प्रचलित हैं इनमें से एक प्रमुख है कि विजयादशमी के दिन लंकापति रावण के वध के बाद दिवाली के दिन भगवान राम अयोध्या पहुंचे। रावण वध के पाप से मुक्त होने के लिए भगवान राम ने ऋषि-मुनियों की सलाह से राजसूर्य यज्ञ किया। इस यज्ञ के लिए अयोध्या में मुग्दल ऋषि को आमंत्रित किया गया। मुग्दल ऋषि ने मां सीता को कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को सूर्यदेव की उपासना करने की सलाह दी। इसके बाद मां सीता मुग्दल ऋषि के आश्रम में रहकर छह दिनों तक सूर्यदेव भगवान की पूजा की थी। इसके बाद से ही यह पर्व मनाया जाता है। मुख्य पूजा 26 अक्टूबर को की जाएगी।

पहले जिस प्रकार से पूजा की परंपरा थी, उसमें अब बहुत कुछ बदल गया है। नदी, तालाबों में जाकर अर्घ्य देने की जगह अब कई व्रती अपने-अपने घर पर कुएं या हौज में पानी भरकर वहीं पर खड़े होकर भगवान भास्कर का ध्यान कर अर्घ्य दे देती हैं। इसके पीछे कारण यह है कि पहले नदी, तालाब का पानी दूषित नहीं था। अब कई नदी-तालाबों का पानी दूषित हो गया है। व्रती के कपड़े पर ध्यान दिया जाए तो पहले व्रती बिना सिलाई वाले ही कपड़े अर्घ्य के समय इस्तेमाल करती थीं। उसी कपड़े में भोर का भी अर्घ्य

दिया जाता था। खास कर धोती या साड़ी ही लोग पूजा के समय इस्तेमाल करते थे। इसमें में भी बदलाव आया है। बुजुर्ग व्रती ही केवल साड़ी या धोती में अर्घ्य देते देखी जाती हैं। पहले दीपावली खत्म होते ही घरों में महिलाएं छठ व्रत का गीत सुबह और शाम में गाना शुरू कर देती थीं। अब यह परंपरा लगभग खत्म हो चुकी है।

सनातन धर्म में अनेक व्रत वर्णित हैं जिनमें सूर्य षष्ठी व्रत अर्थात् छठ व्रत का विशेष महत्व है। यह श्रद्धा, स्वच्छता, पवित्रता एवं शुचिता के साथ किया जाने वाला व्रत है। व्रत करने से मनुष्य की अन्तरात्मा एवं अंतर्मन शुद्ध होता है। किसी भी विशेष अनुष्ठान को करने से पूर्व पूर्णरूपेण शुद्धि की आवश्यकता होती है। अत- भगवान भास्कर के महाव्रत छठ के लिए तो पवित्रता, शुद्धता एवं सफाई पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। व्रत के समय में व्रती की बुद्धि निर्मल और सात्विक रहनी चाहिए तथा उसे काम, क्रोध, लोभ, ईर्ष्या, द्वेष आदि मानसिक विकारों से दूर होना चाहिए। व्रत का नियम सबके लिए एक समान है, जिससे समानता का भाव मिलता है। छठ व्रत की तैयारी के क्रम में सभी अपने घरों की पूर्णरूप से सफाई करते हैं।

मनुष्य के भोजन का प्रभाव उसके बुद्धि, विचार तथा मन पर पड़ता है। अत- व्रत से पूर्व नहाय खाय द्वारा शरीर रूपी घर को बाहर व भीतर से शुद्ध किया जाता है, जिससे मन काम, क्रोध, ईर्ष्या आदि गंदगी से दूर रहे। नहाय अर्थात् स्नान करना- इस क्रम में व्रती प्रात- नित्यकर्म से निवृत्त होकर नदी, सरोवर अथवा शुद्ध जल से घर में विधिवत स्नान करके भगवान भास्कर का ध्यान करते हैं। स्नानोपरांत साफ तथा पवित्र पात्र में सात्विक भोजन तैयार करते हैं। भोजन में अरवा चावल का भात, चने की दाल, लौकी अर्थात कद्दू की सब्जी आदि सात्विक भोजन तैयार कर भोग लगाकर प्रसाद के रूप में भोजन किया जाता है। सुपाच्य एवं सात्विक भोजन से बुद्धि विचार में भी सात्विकता आती है जिससे आध्यात्मिक विचारों का अभ्युदय होता है तथा व्रत के दौरान पेट संबंधी विकार का भय भी नहीं रहता है। नहाय खाय में यही भोजन सभी के लिए एक समान होता है, जो व्रत में एकरूपता का संचरण करता है।स्नान -ध्यान के बाद पीतल या मिट्टी के बर्तन में आम की लकड़ी जलाकर प्रसाद बनाया जाता है। इसमें कद्दू, चना दाल व अरवा चावल का विशेष महत्व है। इसी का प्रसाद व्रती ग्रहण करती हैं, जो पड़ोस के लोगों में भी बांटा जाता है। व्रती नहाय-खाय के दिन से ही बिस्तर त्याग देती हैं। जमीन पर कंबल या दरी बिछा कर सोती हैं। दूसरे दिन परवैतिन उपवास रहकर सांयकाल देवी-देवताओं व सूर्य भगवान को अ?र्घ्य अर्पित करती हैं। भगवान को भोग स्वरूप रोटी, खीर चढ़ाई जाती है। खरना के समय शोर नहीं करना होता है। खरना के वक्त व्रती के कानों में आवाज जाती है, तो वे खाना उसी समय छोड़ देती हैं। व्रती के प्रसाद ग्रहण करने के बाद ही सभी लोग प्रसाद ग्रहण करते हैं।

खरना के अगले अस्ताचलगामी सूर्य को व्रती नदी, तालाब, कुआं या घर में पोखरा बनाकर अर्घ्य देती हैं।सुबह में उदीयमान भास्कर को अ?र्घ्य दिया जाता है। श्रद्धालुओं में व्रती के हाथों प्रसाद व आशीर्वाद पाने की प्रतीक्षा होती है।

सामाजिक समता का भी पर्व है छठ

हमारे सामाजिक जीवन में उत्सव आनंद का संदेशवाहक होते हैं। रोजमर्रा की उथल-पुथल के बीच हम उत्सव के क्षणों को सहेज कर जीते हैं। अभी उत्सव का मौसम चल रहा है। दीपोत्सव के बाद बिहार के लोक आस्था का महापर्व छठ जो आदि और वर्तमान दोनों में उतना ही प्रयोजनमूलक है मनाया जाएगा।बिहार का लोक जीवन सामजिक और धार्मिक खांचों में बंटा हुआ है। सांस्कृतिक रूप से भी यहां के लोगों का इन्हीं दो धड़ों के बीच बंटकर रह जाने को विवश होना शायद विडंबना बन चुकी है। लेकिन इन सब के बीच उत्सवधर्मिता इन बंटे हुए खांचों के बीच एक सेतु काम करती है। लोक आस्था का पर्व छठ भले ही सूर्योपासना से माना जाता हो लेकिन इसका एक और पहलु है जो शायद अब तक नेपथ्य में ही रहा है। धार्मिक आस्था का यह पर्व समाजिक समता का सबसे बड़ा सूत्रधार है।

चार दिन तक चलने वाला यह पर्व सामाजिक रूप से हर तबके को आपस में करीब लाता है। पर्व की खासियत ही यही है कि कर्मकांडों की जटिलता से यह ऊपर है।छठ घाटों पर एक बनी छठ माता के टीले पूजा के लिए बने तो जरूर होते हैं लेकिन समाज के हर तबके को करीब लाते हैं। यही एक ऐसा पर्व जहां खांचे पूरी तरह से खत्म हो जाते हैं छठ व्रती पूरी तरह से अपने आप को एक अति सामान्य मानते हैं और व्रतियों के प्रति लोगों का आदर असमान्य होता है फिर वह चाहे किसी जाति या आर्थिक स्तर का हो।सामाजिक समता इन चार दिनों में हर कोने में नजर आती है। विशेषता ही है कि

एक धनाढ्य का छठ अगर एक निचले तबके का व्यक्ति कर रहा हो तो उसकी धनाढ्यता उसके समाने गौण ही रहेगी। यही स्थिति बंटे हुए जाति वर्गों में भी रहती है।छठ का महत्व इससे भी आगे है। बिहार का सांस्कृतिक पहचान के रूप में निकट के वर्षों में इसकी पहचान बनी है। छठ का इतिहास भले ही समृद्धि की चोटी पर है लेकिन इस पर्व का भूगोल भी बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश से बाहर निकला है। दिल्ली की यमुना और मुंबई के मरीन ड्राइव पर होने वाली बिहारियों की भीड़ इसकी तस्दीक करती है। सूबे के सियासतदानों की भी इसमें महती भूमिका है। बिहार से बाहर रहने वाले लोग भले ही बिहार को हृदय से स्वीकारने में हिचकिचाएं लेकिन छठ घाटों पर इसकी ब्रांडिंग करने से नहीं चूकते।

यूं मनाया जाता है छठ पर्व

दीपावली के बाद भैयादूज के तीसरे दिन से छठ पर्व आरंभ होता है। यह पर्व 4 दिनों तक मानाया जाता है। इसमें पहले दिन सैंधा नमक, घी से बना हुआ अरवा चावल और कद्दू की सब्जी प्रसाद के रूप में ली जाती है। अगले दिन से उपवास आरंभ होता है। इस दिन रात में खीर बनती है। व्रतधारी रात में यह प्रसाद लेते हैं। तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य यानी दूध अर्पण करते हैं। अंतिम यानी चौथे दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य चढ़ाते हैं। इस पूजा में पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जाता है। इन दिनों लहसुन, प्याज वर्जित है। जिन घरों में यह पूजा होती है, वहां भक्तिगीत गाए जाते हैं।

छठ धार्मिक के साथ -साथ सांस्कृतिक पर्व भी

आस्था,श्रद्धा और विश्वास का पर्व है छठ पर्व। सूर्य की अराधना होती है, उपासना होती है। भारत वर्ष में जब कभी ऋतु परिवर्तन होता है तो उस समय एक न एक त्योहार अवश्य होता है। इस समय ठंड का मौसम दस्तक देने लगा है। उसकी तैयारी अर्थात उसके स्वागत की तैयारियों का प्रारंभ छठ व्रत उपवास से प्रारंभ हो जाता है। सूर्य दक्षिणायन होते है। जिससे तापमान मे कमी होने लगती है। छठ व्रत बिहार की संस्कृति का एक हिस्सा है। यह धार्मिक पर्व के साथ-साथ सांस्कृतिक पर्व भी है। समय जरूर बदला है किंतु बिहार की संस्कृति नहीं बदली है। छठ के घाटों पर मेला लगा रहता है। बेहिचक लोग परिचित-अपरिचित सभी से प्रसाद की याचना करते हैं। इस प्रसाद को पाना ही बड़ी उपलब्धि मानते हैं तथा बड़ी श्रद्धा से ग्रहण करते हैं।

छठ पूजा प्रकृति आराधना का महापर्व

छठ महापर्व आदि देव भगवान भास्कर की आराधना का यह पर्व असल में प्रकृति की आराधना का भी त्योहार है। छठ पूजा बिहार व पूर्वी उत्तर प्रदेश की कृषक सभ्यता का महापर्व है। खेतों में लहलहाती धान की फसल, उसकी सोने सरीखी पीली-पीली बालियाँ देखकर किसान मन प्रकृति के प्रति सहज ही कृतज्ञता से झुक जाता है और वह तुभ्यम वस्तु गोविंद, तुभ्यमेव समर्पये के भाव के साथ प्रकृति के प्रतीक सूर्य देव के आगे करबद्ध होकर उनकी आराधना करने लगता है। छठ पूजा के आयोजन से जुड़े लोग बताते हैं कि यह एक ऐसा त्योहार है जिसका बाजार से कोई खास वास्ता नहीं है। इसका अपना ही बाजार होता है जो खास इसी अवसर पर दिखाई देता है। उनका कहना है कि सूर्य देव को अर्घ्य देने के लिए जो भी वस्तुएँ लाई जाती हैं, वे सभी एक किसान के घर में सहज ही उपलब्ध होती हैं।

ह्रष्ट - केला, मूली, नींबू, नारियल, अदरक, ईख, गेहूँ के आटे से बना ठेकुआ, सबकुछ किसान खुद ही उपजाता था। जिस बाँस की टोकरी में अर्घ्य का यह सारा सामान रखा जाता है, वह भी खेती-किसानी करने वाले लोग खुद ही बना लेते थे। यह दीगर बात है कि शहरों में आ चुके पुरबिया लोगों को अब यह सारा सामान बाजार से खरीदना पड़ता है। लेकिन छठ पूजा का बाजार भी बिल्कुल अलग है। आज भी सारा सामान पटना और बनारस से आता है। जाहिर तौर पर छठ पूजा के रंग भी सबसे ज्यादा यही दिखाई देते हैं।

पानी-मानवत मर्डर्स के बाद फिर धमाल मचाने को तैयार आदिनाथ कोठारे, किया नई फिल्म का एलान

पानी फिल्म की हाउसफुल सक्सेस के बाद अब अभिनेता और निर्देशक आदिनाथ कोठारे एक बार फिर नई फिल्म का निर्देशन करने के लिए तैयार हैं। आदिनाथ ने दिवाली और बलिप्रतिपदा के अवसर पर यह विशेष घोषणा की है। फिल्म का नाम जय मल्हार-अता बलीचा राज्य यानार है और उन्होंने जेजुरी जाकर खंडोबा जाकर यह खास कहानी साझा की है।

आदिनाथ के नए सफर की शुरुआत

इससे पहले आदिनाथ ने पानी से अपने निर्देशन का सफर शुरू किया था, जबकि मनावत मर्डर्स से वह काफी चर्चा में रहे थे। वहीं, अब पानी को अभूतपूर्व सफलता और दर्शकों का प्यार मिल रहा है तो उन्होंने दर्शकों को ये अच्छी खबर दी है। पानी और मनावत मर्डर्स दोनों ने दर्शकों को रोमांचित किया है और दर्शक आदिनाथ के नए उद्यम को देखने के लिए उत्सुक हैं।

कलाकारों और कहानी का खुलासा बाकी

जय मल्हार-अता बलीचा राज्य यानार शीर्षक वाली इस फिल्म की खबर कोठारे ने जेजुरी की अपनी यात्रा के बाद सोशल मीडिया पर साझा की, जहां उन्होंने भगवान खंडोबा का आशीर्वाद लिया। यह इशारा किसी नए उद्यम को शुरू करने से पहले दैवीय समर्थन का आह्वान करने की पारंपरिक प्रथा से मेल खाता है। हालांकि अभी फिल्म की कहानी और कलाकार के साथ विषय-वस्तु का अभी खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन जल्द ही आगे की जानकारी जारी होने की उम्मीद है। आदिनाथ कोठारे की परियोजनाओं को लेकर उत्सुकता बढ़ती जा रही है, दर्शक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि वह आगे क्या पेश करेंगे। फिल्म को दिवाली 2026 के दौरान रिलीज करने का अनुमान है। प्रशंसकों के मन में कलाकारों और कहानी को लेकर सवाल हैं, जो आने वाले समय में सामने आएंगे।

अक्षय कुमार के साथ झिझकतीं थीं करीना कपूर, बोलीं- उनके साथ रोमांटिक सीन करना अजीब था

बॉलीवुड अभिनेता करीना कपूर खान और अक्षय कुमार ने कई फिल्मों में काम किया है। करीना ने एक बार खुलकर बताया था कि अक्षय के साथ रोमांस करना कितना 'अजीब' लगता था, जबकि वह उनकी बहन करिश्मा के को-स्टार थे। करीना कपूर ने बताया कि कैसे वे अक्षय कुमार और अपनी बहन की फिल्म के सेट पर जाती थीं और वहां खेलती थीं।

करीना कपूर ने की अक्षय कुमार की तारीफ

अक्षय कुमार ने कहा कि मैं करिश्मा कपूर के सभी सह कलाकारों के साथ रोमांस कर रही हूं। उन्होंने बताया कि अक्षय कुमार जब फिल्में कर रहे थे, तब मैं स्कूल यूनिफॉर्म में थी। यहीं बात साफ हो जाती है कि वो मुझसे भी ज्यादा कमाल हैं। करिश्मा कपूर मेरी बड़ी बहन हैं, उनके सह कलाकारों के साथ काम करना मेरे लिए थोड़ा अजीब रहा है।

ट्विंकल खन्ना ने कही ये बात

ट्विंकल ने इस बात के दौरान करीना से कहा कि वे इस बात से असहमति जताती हैं। यह इस बात को भी दर्शाता है कि पुरुष अक्सर लंबे करियर का आनंद लेते हैं जबकि महिलाओं को अलग-अलग चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसके जवाब में करीना ने कहा कि अक्षय कुमार ने बेटे तैमूर के साथ दो हीरो वाली फिल्म बनाने की भी योजना रखी है।

इन फिल्मों में अक्षय कुमार के साथ नजर आई करीना

करीना कपूर और अक्षय कुमार कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। अक्षय कुमार ने करीना के साथ सिंघम अगेन, गब्बर इज बैक, राउडी राठौर, गुड न्यूज, दोस्ती, टशन, अजनबी, ऐतराज जैसी फिल्मों में काम किया है। सिंघम अगेन फिल्म में अक्षय कुमार को काफी पसंद किया जा रहा है। करीना ने फिल्म में अच्छा अभिनय किया है।

सिंघम अगेन के बाद इन फिल्मों के सीक्वल में नजर आएंगे अजय देवगन

सिंघम अगेन में अजय के अभिनय की जमकर तारीफ हो रही है। फिल्म में अजय ने बाजीराव सिंघम की भूमिका से फिर से एक बार दर्शकों का दिल जीत लिया है।

इस फिल्म से पहले अजय इस फिल्म की पहली किस्त सिंघम में नजर आए थे।

रेड 2 में अजय के अलावा रितेश देशमुख भी नजर आएंगे। दे दे प्यार दे 2, 1 मई 2025 को रिलीज होगी। सन ऑफ सरदार 2 अगले साल रिलीज हो सकती है।

मेघना गुलजार की आगामी फिल्म में हुई पृथ्वीराज सुकुमारन की एंट्री

हिंदी फिल्मों की जानी-मानी निर्देशक मेघना गुलजार की आगामी फिल्म बीते कुछ समय से काफी चर्चा में रही है। करीना कपूर अभिनीत उनकी फिल्म का संभावित नाम दायरा बताया जा रहा है। इस फिल्म से कुछ अभिनेताओं के जुड़ने और फिर बाहर हो जाने की खबरों के बाद एक बार फिर से नई जानकारी सामने आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में प्रभास की सलार में नजर आए अभिनेता की एंट्री होने वाली है।

पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म में होगी एंट्री

मेघना गुलजार की इस फिल्म में पहले सिद्धार्थ मल्होत्रा के काम करने की खबरें सामने आईं, लेकिन बाद में उन्होंने इससे खुद को अलग कर लिया। इसके बाद फिल्म से आयुष्मान खुराना का नाम जुड़ा, लेकिन बाद में वो भी इससे बाहर हो गए। अब फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन के काम करने की बातें सामने आ रही हैं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल रिलीज हुई प्रभास की सलार में अहम भूमिका में दिखे पृथ्वीराज अब मेघना गुलजार की इस फिल्म में काम करने वाले हैं।

सच्ची घटना पर आधारित होगी फिल्म

मेघना गुलजार की इस आगामी फिल्म को कथित तौर पर एक सच्ची और परेशान करने वाली घटना पर आधारित बताया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक अभिनेता फिल्म में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्र ने बताया, आयुष्मान खुराना और सिद्धार्थ मल्होत्रा के शेड्यूल में दिक्कतों के कारण दायरा से बाहर होने के बाद, पृथ्वीराज से संपर्क किया गया। उन्होंने स्क्रिप्ट और फिल्म के संदेश से जुड़ाव महसूस किया।

जल्द शूटिंग शुरू होने की फैंस को है उम्मीद

रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्र ने आगे कहा, कहानी को आगे बढ़ाने में पृथ्वीराज की भूमिका महत्वपूर्ण है, जबकि करीना का किरदार उन्हें एक नए रूप में दिखाएगा, जिसमें उनकी ताकत, कमजोरी और आत्मविश्वास झलकेगा। मेघना गुलजार की इस फिल्म में कलाकारों को लेकर काफी ज्यादा खींचातानी देखने को मिली है। फैंस को ऐसे में अब उम्मीद है कि करीना और मेघना के साथ पृथ्वीराज की इस पहली फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होगी।

बड़े मियां छोटे मियां में आए थे नजर

बात करें पृथ्वीराज के वर्क फ्रंट की, तो वह आखिरी बार अली अब्बास जफर की बड़े मियां छोटे मियां में नजर आए थे। इस फिल्म में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ भी दिखे थे। वहीं, बात करें मेघना की आखिरी निर्देशित फिल्म की, तो उन्होंने विक्की कौशल द्वारा अभिनीत सैम बहादुर निर्देशित की थी। इनके अलावा करीना कपूर, रोहित शेट्टी की हालिया रिलीज फिल्म सिंघम अगेन में नजर आई हैं, जिसमें उनके साथ रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ, जैकी श्रॉफ,अर्जुन कपूर आदि कलाकार भी नजर आ रहे हैं।

वजन के कारण प्रभास की फिल्म से निकाला गया था अनुष्का को

साउथ की मेगा हिट फिल्म बाहुबली (2015) में अनुष्का शेट्टी और प्रभास की जोड़ी को बहुत पसंद किया गया। आगे भी दर्शक दूसरी फिल्मों में इनको साथ देखना चाहते थे, लेकिन प्रभास की एक फिल्म में एक मामूली वजह से अनुष्का को निकाल दिया गया।जब बाहुबली हिट हुई तो प्रभास और अनुष्का शेट्टी को लेकर कई दक्षिण भारतीय निर्माता, निर्देशक फिल्म बनाने की योजना बनाने लगे। फिल्म साहो में तो प्रभास और अनुष्का शेट्टी की जोड़ी बनना लगभग तय हो गया। अनुष्का इस फिल्म के लिए तैयारियां भी करने लगीं। लेकिन उन्हें अचानक इस फिल्म से हटा दिया गया और दूसरी हीरोइन को कास्ट कर लिया गया। आखिर क्या रहा वह कारण जिस वजह से अनुष्का को फिल्म से हटाया गया, जानिए?

फिल्म बाहुबली के लिए अनुष्का शेट्टी ने अपना वजन बढ़ाया था, जो कि लंबे समय तक बना रहा। वह धीरे-धीरे उसे कम करने की कोशिश कर रही थीं। इस दौरान उन्हें साहो का ऑफर मिला। लेकिन अधिक वजन के कारण यह फिल्म अनुष्का के हाथ से चली गई। जबकि वह जिम जाकर काफी मेहनत कर रही थीं लेकिन उनका वजन जल्दी कम नहीं हो रहा था। ऐसे में साहो के फिल्ममेकर्स ने फिल्म में अनुष्का की जगह श्रद्धा कपूर को ले लिया। वैसे साहो ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की और प्रभास, श्रद्धा की जोड़ी को भी काफी पसंद किया गया।

खराब नहीं हुए प्रभास और अनुष्का के रिश्ते

ऐसा नहीं है कि प्रभास की फिल्म से निकाले जाने के बाद अनुष्का उनसे नाराज हो गईं। आज भी दोनों अच्छे दोस्त हैं। वह हमेशा एक-दूसरे के काम की तारीफ करते हैं। कई बार तो अनुष्का और प्रभास के रिलेशनशिप में होने की अफवाह भी उड़ी, लेकिन दोनों ने कभी इस बात को स्वीकार नहीं किया। एक बार प्रभास ने कहा था कि फिल्मों में साथ काम करने की वजह से किसी से जुड़ाव होना सामान्य सी बात है, लेकिन वह अनुष्का को डेट नहीं कर रहे हैं।

भागमति के सीक्वल में दमदार किरदार करेंगी

अनुष्का शेट्टी ने साल 2018 में फिल्म भागमती की, यह बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। यह हॉरर थ्रिलर फिल्म अनुष्का के किरदार के ईद-गिर्द ही बुनी गई थी। अब इस फिल्म के सीक्वल की घोषणा हुई है। भागमती का सीक्वल 2025 की शुरुआत में फ्लोर पर जाएगा।

पैप कल्चर बिग बॉस के घर में रहने जैसा लगता है, मगर शिकायत नहीं

कार्तिक आर्यन आज के दौर के उन अभिनेताओं में से हैं, जो हर बार अलग रंग की भूमिकाएं करने में यकीन करते हैं। कुछ अरसा पहले बायोपिक चंदू चैंपियन के बाद अब वे अपनी नई हॉरर-कॉमिडी भूल भुलैया 3 के साथ आ रहे हैं। उनसे खास मुलाकात।

आप अभिनय के विभिन्न रंगों में खुद को साबित कर चुके हैं। इसके बावजूद लगातार अक्षय कुमार के साथ होने वाली तुलना के बारे में क्या कहेंगे?

मैं हर बार यही कहता हूं कि मैं अक्षय सर का फैन हूं। मेरी तो समझ में नहीं आता कि मैं इस चीज का रिएक्शन कैसे दूं, उसके कई अर्थ निकाले जा सकते हैं। मगर उनसे मेरी तुलना संभव ही नहीं है, क्योंकि उनके अभिनय का सफर इतना लंबा और अद्भुत रहा है, उन्होंने इतने सालों से राज किया है, तो वो कंपेरिजन गलत है। मैं खुद को अभी भी नया ही मानता हूं। वे इतने सालों से यहां और इतना कमल का काम कर रहे हैं, जिनसे हम सीखते हैं।, तो जब भी ये सवाल आता है, तो मेरे लिए एक अजीब-सी सिचुएशन आ जाती है। मुझे लगता है, ज्यादातर ये कंपेरिजन भूल भुलैया फेंचाइजी के कारण आते हैं।

ग्लैमर इंडस्ट्री की सबसे बड़ी विडंबना की बात है कि स्टार का स्टारडम खत्म होने के बाद, तो दिलीप कुमार, राजेश खन्ना सरीखे अदाकारों को तक भुला दिया जाता है, ये पहलू आपको डराता है?

सच कहूं, तो मैं ऐसी चीजें सोचता नहीं हूं। मैं आज के पल में जीने में यकीन करता हूं। मैं सफलता और असफलता से बहुत अधिक नहीं जुड़ता। ज्यादा से ज्यादा एक हफ्ता, बस उसके बाद मैं अगले काम पर लग जाता हूं। अगर मैं चंदू चैंपियन की बात करूं, तो मैंने पूरे डेढ़ साल तक इस किरदार पर खुद को न्योछावर किया। मगर फिल्म की रिलीज के एक हफ्ते बाद मैंने भूल-भुलैया 3 की शूटिंग शुरू कर दी थी। अब मैं भूल भुलैया के प्रमोशन में मसरूफ हूं और इसकी रिलीज के बाद अपनी अगली फिल्म में जुट जाऊंगा। इससे जुड़ी कामयाबी -नाकामी या फिर बीस साल बाद क्या होगा, वो मैं सोच ही नहीं पाता।

आज के सोशल मीडिया और पैप कल्चर में लगातार कैमरे की निगरानी में रहना कैसा लगता है?

ऐसा लगता है, जैसे बिग बॉस के घर आ गया हूं। आपकी हर मूवमेंट को कैमरे में कैद किया जा रहा है और आपके बारे में बात हो रही है। मगर मुझे इससे कुछ शिकायत नहीं है न ही मुझे बुरा लगता है। मैं यहां आया ही था ये सब पाने के लिए। इसे मैं इस इंडस्ट्री का पार्ट एंड पार्सल ही मानता हूं। चाहे मुझ पर निगरानी हो या पैप कल्चर हो, मुझे इससे कोई शिकायत नहीं है, मुझे इतना प्यार मिल रहा है, अटेंशन मिल रहा है। मैं इन्हीं चीजों के लिए तरसता था और आज जब लोग मेरा नाम जान गए हैं, तो मुझे अच्छा लगता है।

आपकी फिल्म की रिलीज डेट पर रोहित शेट्टी सिंघम अगेन के आने से आप कितनी नर्वसनेस और कम्पटीशन महसूस कर रहे हैं?

मैदान यहां पर अकेला नहीं है, मगर मैं यही उम्मीद करता हूं कि दोनों फिल्में चले। कहीं न कहीं ये क्लैश दुर्भाग्य से अनिवार्य है। पर ये तारिख बड़ी है, तो दोनों फिल्मों के चलने का पूरा-पूरा स्कोप है। दर्शकों के लिए ऑप्शन हैं और वे चाहें, तो दोनों फिल्में भी देख सकते हैं। अगर ऐसा होता है, तो सभी फायदे में रहेंगे।

भूल भुलैया 3 में आप नारी शक्ति (माधुरी दीक्षित, विद्या बालन और तृप्ति डिमरी)से घिरे हैं, आपकी असल जिंदगी में आप पर किन महिलाओं का प्रभाव रहा है?

मैं बहुत लकी रहा हूं, मेरी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ दोनों में ही कमाल की महिलाएं रही हैं। मगर असल जिंदगी में मेरी मॉम और बहन ने मुझे काफी इन्फ्लुएंस किया है। वो मुझसे छोटी है, मगर हम दोनों में से वो मच्योर ज्यादा है। बचपन में मैं उस पर बहुत बॉसिंग करता था, मगर अब वो करती हैं। जब भी मुझे अपने दिल की कोई बात करनी होती है या कहीं कुछ उलझन होती है, मैं उससे बात करता हूं और मैंने देखा है कि वो काफ़ी समझदारी से मसलों को हैंडल करती है । मैंने उससे बहुत कुछ सीखा है।

फिल्म की अपनी ऑनस्क्रीन नायिकाओं के बारे में क्या कहेंगे?

माधुरी मैम के साथ काम करने का मौका पाकर तो मैं धन्य ही मुझे था, क्योंकि वे लिजेंड हैं और जब मेरा सीन नहीं भी होता था, तब भी मैं शूटिंग पर उनका सीन देखता था। मैं उनके डांस का बहुत बड़ा फैन रहा हूं और मुझे खुद डांस बहुत पसंद है, तो मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी उनके साथ काम करना। विद्या जी का भी मैं बहुत बड़ा प्रशंसक हूं वो जब भी स्क्रीन पर आती हैं, एक गुरुत्वाकर्षण लेकर आती हैं। ऑनस्क्रीन के अलावा वो जिस तरह से ऑफस्क्रीन बातें करती हैं, लगता है, आप किसी दोस्त के साथ हो। तो वो मैंने बहुत इंजॉय किया। जहां तक तृप्ति की बात है, तो उनके साथ मैं पहली बार काम कर रहा था, मगर काम करना बहुत मजेदार रहा, क्योंकि हमारी केमिस्ट्री जम गई!

प्रभारी मंत्री ने किया ओखला पक्षी विहार का भ्रमण

नोएडा (चेतना मंच)। ईको टूरिज्म को प्रोत्साहन देने के लिए ओखला पक्षी विहार में ईको टूरिज्म का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्य मंत्री लोक निर्माण विभाग उत्तर प्रदेश शासन/ प्रभारी मंत्री गौतमबुद्धनगर बृजेश सिंह, जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा, डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह, डीसीपी ट्रैफिक यमुना प्रसाद, प्रभागीय वन अधिकारी प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, एसीपी नोएडा शव्या गोयल, क्षेत्रीय वन अधिकारी अमित गुप्ता मौजूद थे।

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में स्कूली छात्र-छात्राओं, जस्टब्रेवल प्राईवेट लिमिटेड नोएडा के प्रतिनिधि, एच0सी0एल0 फाउन्डेशन के प्रतिनिधि एवं वन्यजीव/पक्षी प्रेमियों, स्वंय सेवी संस्थाओं तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों को विडियों के माध्यम से प्रवासी एवं अप्रवासी पक्षियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गयी। साथ ही मंत्री जी ने कहा कि हम सबको प्रकृति का ध्यान रखना चाहिए, जिस प्रकार हम अपनी मां से प्रेम करते हैं, ठीक उसी प्रकार हमको प्रकृति से प्रेम करना चाहिए क्योंकि हम प्रकृति की रक्षा करेंगे तो प्रकृति हमें बदले में स्वस्थ वातावरण एवं पर्यावरण प्रदान करेगी। कार्यक्रम की समाप्ति पर जिलाधिकारी, डीसीपी नोएडा, डीसीपी ट्रैफिक एवं प्रभागीय वनाधिकारी गौतमबुद्धनगर द्वारा माननीय मंत्री जी को स्मृति चिन्ह भेट कर कार्यक्रम का समापन किया गया एवं समस्त गणमान्य व्यक्तियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

प्रभारी मंत्री द्वारा कार्यक्रम के शुभारम्भ के उपरान्त ओखला पक्षी विहार में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नेचर वॉक करते हुए बर्ड वाचिंग की गयी। प्रकृति भ्रमण के दौरान प्रतिभाग करने वाले स्कूली छात्र-छात्रओं, पर्यटको एवं आंगतुको को प्रकृति के साथ-साथ प्रवासी एवं अप्रवासी पक्षियों के संबंध में जानकारी दी गयी। इस अवसर पर माननीय प्रभारी मंत्री एवं जिलाधिकारी द्वारा फाईकस वेंजिना के पौधे का रोपण किया गया।

आंधियों से लड़कर जिन्होंने नहीं मानी हार उन वीरों की कहानी बताएगी 'उमंग'

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय थल सेना के पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने उन वीरों की कहानी कहने वाली पुस्तक 'उमंग' का नोएडा में विमोचन किया। जिन्होंने आंधियों से लड़कर अपने लक्ष्य को प्राप्त किया और देशवासियों व दुनिया के लिए एक प्रेरणास्रोत बने।

नोएडा के सेक्टर-29 स्थित अरुण विहार क्लब में पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने सेना से रिटायर्ड ब्रिगेडियर विजय आत्रेय द्वारा लिखी गई पुस्तक जस्ट Zest यानी 'उमंग' का विमोचन किया। पूर्व ब्रिगेडियर विजय आत्रेय ने सेना में 30 वर्षों तक अपनी सेवाएं देने के बाद विभिन्न विषयों पर पुस्तक लिखनी शुरू की है।

पुस्तक के विमोचन अवसर पर पूर्व जनरल मनोज पांडे ने कहा कि शारीरिक चुनौतियों के बावजूद कई ऐसे लोग हैं जिन्होंने अपने हौसलों को पस्त नहीं होने दिया और चुनौतियों से लड़कर दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बने।'उमंग' पुस्तक के लेखक रिटायर्ड बिग्रेडियर विजय आत्रेय ने बताया कि 'उमंग' पुस्तक में उन सभी लोगों का जिक्र है जो परिस्थितिवश शारीरिक रूप से अपाहिज हो गए, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और कठिन परिश्रम द्वारा देश व विदेश में भी नाम रोशन किया।

इसमें सेना के कुछ उच्च अधिकारी जैसे जरनल कार्टजो, पंकज जोशी, विजय ओबेरॉय ने पूना में सेना के पुन: स्थापित केंद्र में इलाज करवाया व कृत्रिम अंगों की सहायता से फिर लड़ाई के मैदान में पहुंच गए। लेखक विजय आत्रेय ने बताया कि देवेंद्र झाझरिया, दीपा मलिक, अबनी लखेरा, धर्मवीर, हरविंदर सिंह, नीतीश कुमार व प्रवीण कुमार भी कुछ ऐसे खिलाड़ी है जिन्होंने शारीरिक कमजोरी के बावजूद देश दुनिया में अपना व देश का नाम रोशन किया।

उन्हें बताया कि उनकी पुस्तक में 2024 में पेरिस में हुए पैराओलंपिक के उन खिलाड़ियों का भी विवरण है जिन्होंने 13 कांस्य पदक, 9 रजत पदक व 7 स्वर्ण पदक जीते हैं।'उमंग' पुस्तक इस विषय से जुड़ी अनेक जानकारियां देगी। पुस्तक विमोचन के दौरान पूर्व जनरल मनोज पांडे ने शारीरिक रूप से कमजोर कुछ लोगों को भी सम्मानित किया।

इस मौके पर लेखक व ब्रिगेडियर विजय अत्रे की धर्मपत्नी श्रीमती आभा अत्रे ने पूर्व जनरल मनोज पांडे की धर्मपत्नी अर्चना पांडे तथा प्रिया भार्गव को पौधे भेंट किए।

नोएडा में राष्ट्रीय पतंग महोत्सव का हुआ शुभारंभ, 8 तक चलेगा

नोएडा (चेतना मंच)। बहुप्रतीक्षित नोएडा राष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2024 का आज आधिकारिक उद्घाटन नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम. ने किया। उनके साथ एसीओ संजय खत्री और डीजीएम विजय रावल सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

कई राज्यों के पतंगबाज कर रहे हैं शिरकत

इस महोत्सव में भारत के शीर्ष दस राज्यों- केरल, कर्नाटक, लक्षद्वीप, ओडिशा, गुजरात, दिल्ली, राजस्थान और चंडीगढ़ से पतंगबाजों ने हिस्सा लिया। इस महोत्सव में पतंगबाजी की समृद्ध परंपराएं देखने को मिलीं। देश के 20 से अधिक प्रमुख पतंगबाजों ने आसमान में उड़ान भरी और रंग-बिरंगी और कल्पनाशील पतंगों की एक श्रृंखला के साथ एक खूबसूरत नजारा पेश किया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

काइट फेडरेशन ऑफ इंडिया और थलुरुया हॉस्पिटैलिटी के साथ साझेदारी में नोएडा प्राधिकरण द्वारा आयोजित इस महोत्सव में पाँच रोमांचक पतंग प्रतियोगिता श्रेणियाँ शामिल हैं- भारतीय पारंपरिक ट्रेन पतंग, रिंग पतंग, खेल पतंग, पायलट पतंग एवं बच्चों की पतंगबाजी।

छठ पूजा स्थलों पर पुलिस का कड़ा पहरा

नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर पर्व छठ पूजा के दृष्टिगत पुलिस उपायुक्त नोएडा रामबदन सिंह के निर्देशन में एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्र द्वारा थाना सेक्टर-58 पुलिस बल के साथ नोएडा जोन के अन्तर्गत रामलीला ग्राउन्ड व डी पार्क में छठ पूजा स्थलों का निरीक्षण किया गया।

पूजा स्थलों की साफ सफाई की व्यवस्था करायी गयी है। संयोजको के साथ वार्ता करते हुये सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल को तैनात किया गया है।

ट्रैफिक व्यवस्था के लिए यातायात पुलिस द्वारा पुख्ता बन्दोबस्त किये गये है। नोएडा जोन में यमुना नदी के घाट पर गोताखोर व ऐम्बुलेंस की व्यवस्था की गयी है ताकि श्रद्धालुओं को समस्या का सामना न करना पडें और श्रद्धालुओं द्वारा छठ पूजा पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया जा सके।

ग्रेटर नोएडा में छठ व्रतियों के लिए बनाए गए हैं सुंदर घाट

अर्घ्य देने के लिए 23 स्थानों पर बने घाटों को प्राधिकरण ने किया दुरुस्त

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आस्था का महापर्व छठ के व्रती बृहस्पतिवार शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगे और शुक्रवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देंगे। व्रतियों को अर्घ्य देने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने शहर में विभिन्न जगहों पर बने कृत्रिम तालाबों की मरम्मत करा दिया गया है। उनमें पानी भरे जा रहे हैं। व्रती इन जगहों पर सूर्य को अर्घ्य दे सकेंगे।

ग्रेटर नोएडा में बड़ी तादाद में लोग छठ महापर्व को मनाते हैं। इसे देखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने छठ महापर्व के व्रतियों को सूर्य का अर्घ्य देने के लिए सभी वर्क सर्किल प्रभारियों को उनके एरिया में बने कृत्रिम तालाबों की मरम्मत करने के निर्देश दिए हैं। इसके मद्देनजर परियोजना विभाग ने 23 जगहों पर कृत्रिम तालाबों को दुरुस्त कर दिए हैं। ये छठ घाट ग्रेटर नोएडा में नॉलेज पार्क वन स्थित आईईसी कॉलेज के पास, कासना कोतवाली के पास, कुलेसरा हिंडन पुल के पास, ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित चेरी काउंटी, डी ब्लॉक म्यू वन, म्यू टू, ज्यू वन, ज्यू टू, ज्यू थ्री, चिपियाना खुर्द तिगड़ी, चक शाहबेरी, एफ ब्लॉक डेल्टा वन, डेल्टा टू, 130 मीटर रोड पर जैतपुर रोटरी ईटा वन, ओमीक्रॉन वन, टू , थ्री और वन ए, रोजा जलालपुर में गौशाला के समीप, गैलेक्सी वेगा सोसाइटी, सेक्टर-36 के सी ब्लॉक पार्क, सेक्टर-37 का ए ब्लॉक मंदिर और नवादा गांव के पास सर्विस रोड पर स्थित हैं। छठ व्रती इन जगहों से सूर्य को अर्घ्य दे सकते हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी अभिषेक पाठक ने बताया कि इन तालाबों से अर्घ्य देने के लिए सभी जरूरी इंतजाम कर दिए गए हैं। सभी घाटों की मरम्मत करा दी गई है। साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त करा दी गई है। रोषनी के पर्याप्त इंतजाम हैं।